विषय- हिन्दी (मंजरी) पाठ- सच्ची वीरता कक्षा - 8

प्रकरण- कहानी गद्यांश क्रमांक - 7

मिशन शिक्षण संवाद

(प्रस्तुत पाठ में सच्चे वीर पुरुषों के धैर्य, साहस, और स्वाभिमान जैसे गुणों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया है कि वीर पुरुष प्रत्येक स्थिति में सच्चाई का साथ देते हैं।)

सच्चे वीर पुरुष धीर, गम्भीर और आजाद होते हैं। उनके मन की गम्भीरता और शक्ति समुद्र की तरह विशाल और गहरी तथा आकाश की तरह स्थिर और अचल होती है, परन्तु जब ये शेर गरजते हैं तब सदियों तक उनकी दहाड़ सुनायी देती रहती है और अन्य सब आवाजें बन्द हो जातीहैं।

एक बार एक बागी गुलाम और एक बादशाह के बीच बातचीत हुई। यह गुलाम कैदी दिल से आजाद था। बादशाह ने कहा, 'मैं तुमको अभी जान से मार डालूँगा। तुम क्या कर सकते हो'? गुलाम बोला 'हाँ मैं फाँसी पर तो चढ़ जाऊँगा, पर तुम्हारा तिरस्कार तब भी कर सकता हूँ। इस गुलाम ने दुनिया के बादशाहों के बल की हद दिखला दी। बस इतने ही जोर और इतनी ही शेखी पर ये झूठे राजा मारपीट कर कायर लोगों को डराते हैं। चूँकि लोग शरीर को अपने जीवन का केन्द्र समझते हैं इसलिए जहाँ किसी ने इनके शरीर पर जरा जोर से हाथ लगाया वहीं वे मारे डर के अधमरे हो जाते हैं। केवल शरीर-रक्षा के निमित्त ये लोग इन राजाओं की ऊपरी मन से पूजा करतेहैं।

सच्चे वीर अपने प्रेम के जोर से लोगों के दिलों को सदा के लिए बाँध देते हैं। फौज, तोप, बन्दूक आदि के बिना ही वे शहंशाह होते हैं। मंसूर ने अपनी मौज में आकर कहा कि मैं खुदा हूँ। दुनियावी बादशाह ने कहा 'यह काफिर है'। मगर मंसूर ने अपने कलाम को बन्द न किया। पत्थर मार-मारकर दुनिया ने उसके शरीर की बुरी दशा की परन्तु उस मर्द के मुँह से हर बार यही शब्द निकला 'अनलहक' (अहं ब्रह्मास्मि) मैं ही ब्रह्म हूँ। मंसूर का सूली पर चढ़ना उसके लिए सिर्फ खेल था।

व्याख्या

संदर्भ-प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक मंजरी के सरदार पूर्ण सिंह द्वारा लिखित निबन्ध सच्ची वीरता' नामक पाठ से लिया गया है।

प्रसंग-प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने सच्चे वीर के गुणों का वर्णन किया है।

व्याख्या -सच्चे वीर पुरुष धीर, गम्भीर और स्वतन्त्र होते हैं। वीरता की अभिव्यक्ति कई प्रकार की होती है। इनकी शक्तियां अटल होती है।

वीरता के उदाहरस्वरूप एकबार एक वीर गुलाम और बादशाह के बीच वार्तालाप हुई वह गुलाम ऐसे व्यक्तियों की निन्दा करता था जो शरीर को जीवन का केंद्र समझ बैठते हैं। बादशाह ने उस अनेक प्रकार की यातनाएं दी ,परंतु गुलाम दिल से पूरी तरह स्वतंत्र था अंततः राजा ने उसे फांसी से डराना चाहा फिर भी गुलाम के मुंह से मै ही ब्रह्म हूं ,ऐसा ही निकला।गुलाम के विचार से शहंशाह वे होते हैं,जो अपने प्रेम से लोगो को वशीभूत कर लेते हैं।

उत्तरमाला क्रमांक -6

शब्द - विशेषण पद	शब्द - विशेषण पद
बुद्धि - बुद्धिमान	चौकी - चौकीदार
उपद्रव - उपद्रवी	करुण - करुणा
बल - बलवान	प्रान्त - प्रान्तीय
उत्कंठा - उत्कण्ठित	

अभ्यासकार्य

1. दी हुई कहानी का भावार्थ अपने शब्दों में लिखो।
2. दी हुई कहानी में आये कठिन शब्दों को छांटकर अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखो और उनके अर्थ खोजो।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- बिभा सिंह KGBV जनपद मिर्जापुर

विषय- हिंदी पाठ- सच्ची वीरता कक्षा -8

प्रकरण- कहानी क्रमांक - 8

मिशन शिक्षण संवाद

एक बार एक बागी गुलाम और एक बादशाह के बीच बातचीत हुई। यह गुलाम कैदी दिल से आजाद था। बादशाह ने कहा, 'मैं तुमको अभी जान से मार डालूँगा। तुम क्या कर सकते हो'? गुलाम बोला 'हाँ' मैं फाँसी पर तो चढ़ जाऊँगा, पर तुम्हारा तिरस्कार तब भी कर सकता हूँ। इस गुलाम ने दुनिया के बादशाहों के बल की हद दिखला दी। बस इतने ही जोर और इतनी ही शेखी पर ये झूठे राजा मारपीट कर कायर लोगों को डराते हैं। चूँकि लोग शरीर को अपने जीवन का केन्द्र समझते हैं इसलिए जहाँ किसी ने इनके शरीर पर जरा जोर से हाथ लगाया वहीं वे मारे डर के अधमरे हो जाते हैं। केवल शरीर-रक्षा के निमित्त ये लोग इन राजाओं की ऊपरी मन से पूजा करतेहैं।सच्चे वीर अपने प्रेम के जोर से लोगों के दिलों को सदा के लिए बाँध देते हैं। फौज, तोप, बन्दूक आदि के बिना ही वे शहंशाह होते हैं। मंसूर ने अपनी मौज में आकर कहा कि मैं खुदा हूँ। दुनियावी बादशाह ने कहा 'यह काफिर है'। मगर मंसूर ने अपने कलाम को बन्द न किया। पत्थर मार-मारकर दुनिया ने उसके शरीर की बुरी दशा की परन्तु उस मर्द के मुँह से हर बार यही शब्द निकला 'अनलहक' (अहं ब्रह्मास्मि) मैं ही ब्रह्म हूँ। मंसूर का सूली पर चढ़ना उसके लिए सिर्फ खेल था।

शब्दार्थ

तिरस्कार = अपमान, अनादर। शेखी = हेकड़ी, शान। काफिर = ईश्वर को न मानने वाला, सत्य को छिपाने वाला। कलाम = वाणी, शब्द, वार्तालाप। अटक = सिन्धु नदी। नेपोलियन = फ्रांस का महान योद्धा (राजा)। सत्त्वगुण = सादगी और सच्चाई से युक्त।

उत्तर माला क्रमांक स.7

व्याख्या-लेखक ने वीरता के प्रभाव के विषय में बताया है। हम जब किसी वीर पुरुष की वीरता का वर्णन सुनते हैं तो शरीर में लहरें उठती हैं और तन रोमांचित हो उठता है। लेकिन दिखावे के कारण यह प्रभाव देर तक नहीं रह पाता क्योंकि हमें सचमुच वीर नहीं बनना चाहते। टीन के बर्तन का स्वभाव छोड़कर हमें सच्चाई के रास्ते पर दृढ़ हो जाना चाहिए। हमें जीवन की गहराई में घुसकर नए रंग खिलाने चाहिए।

सत्य की सदा जीत होती है। यह वीरता का चिह्न है। जहाँ पवित्रता, प्रेम, धर्म और अटल आध्यात्मिक नियम हैं, वहीं जीत है। वीरता का प्रभाव पड़ता है परन्तु दिखावे के कारण लोग वीर नहीं बन पाते। टीन के बर्तन का स्वभाव छोड़कर हमें सच्चाई के रास्ते पर दृढ़ हो जाना चाहिए। हमें जीवन की गहराई में घुसकर नए रंग खिलाने चाहिए।

अभ्यास कार्य

1. किसने क्या कहा ? कोष्ठक में दिये गये नामों से चुनकर वाक्य के सामने लिखिए -

(महाराजा रणजीत सिंह, मंसूर, नेपोलियन, बादशाह)

(क) 'अनलहक' (अहं ब्रह्मास्मि)। ....

(ख) मैं तुमको अभी जान से मार डालूँगा। ....

(ग) अटक के पार जाओ। ....

(घ) 'आल्प्स है ही नहीं'। ....

2. लेखक के अनुसार दुनिया किस पर खड़ी है -

(क) धन और दौलत पर।

(ख) ज्ञान और पांडित्य पर।

(ग) हिंसा और अत्याचार पर।

(घ) धर्म और अटल आध्यात्मिक नियमों पर।

कठिन शब्द

वीर	साहसी
अधमरा	डरा हुआ
मनोबल	हिम्मत
एकत्र	इकट्ठा करना

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- रंजना मिश्रा

विषय- हिंदी

पाठ- सच्चा वीर

कक्षा - 8

प्रकरण- निबंध

क्रमांक - 10

मिशन शिक्षण संवाद

लेखक

सरदार पूर्ण सिंह

सरदार पूर्ण सिंह का जन्म 17 फरवरी सन्1881 ई0 को में एक सिख परिवार में हुआ था। ये पेशे से अध्यापक थे। विचार और भावात्मकता इनके निबन्धों की मुख्य विशेषताएँ हैं। 'मजदूरी और प्रेम', 'सच्ची वीरता', 'आचरण की सभ्यता' आदि इनके प्रसिद्ध निबन्ध हैं। इनका निधन सन् 1931 ई0 को हुआ।

अभ्यास कार्य

1. वीर पुरुष की तुलना बरसने वाले बादल से और कायर पुरुष की तुलना गरजने वाले बादल से क्यों की गयी है ?

2. अपने अन्दर की वीरता को जगाने के लिए हमें क्या करना चाहिए ? उपयुक्त कथन पर सही (झ्) का चिह्न लगाइए-

(क) हथियारों को एकत्र करना चाहिए।

(ख) वाद-विवाद करना चाहिए।

(ग) सच्चाई की चट्टान पर दृढ़ता से खड़ा होना चाहिए।

(घ) झूठी बातें करनी चाहिए।

3. सच्चे वीर पुरुष में कौन-कौन से गुण होते हैं ?

उत्तर माला क्रमांक स.9

उत्तर

1(क)"अनलहक" (अहम् ब्रह्मास्मि।
-मंसूर

(ख) मैं तुमको अभी जान से मार डालूंगा।
-बादशाह

(ग) अटक के पास जाओ।
-महाराजा रणजीत सिंह

(घ) "आल्प्स हैं ही नहीं।
- नेपोलियन

2. लेखक के अनुसार दुनिया किस पर खड़ी है?

(क) धन और दौलत पर।

(ख)ज्ञान और पांडित्य पर।

(ग)हिंसा और अत्याचार पर।

(घ) धर्म और अटल आध्यात्मिक नियमों पर।

उत्तर- धर्म और अटल आध्यात्मिक नियमों पर।

पाठ सारांश

पाठ का सारांश सच्चे वीर पुरुष धीर गंभीर और स्वतंत्र होते हैं वीरता की अभिव्यक्ति कई प्रकार की होती है कुछ वीर युद्ध में वीरता दिखाते हैं तो कुछ गूढ़ तत्व और सत्य की खोज में बुद्ध की तरह विरक्त होकर वीर हो जाते हैं वीरता एक प्रकार की अंतः प्रेरणा है उसके दर्शन करके लोग अचंभित हो जाते हैं वीर पुरुष सबके साथ एकीकृत हृदय वाला और सबका होता है यह देवदार के वृक्ष की भांति स्वयं पैदा होकर दूसरों को सहारा देने के लिए खड़ा हो जाता है इसके प्रतिकूल कायर लोग जीवन को सब कुछ समझ कर पीछे रह जाते हैं वह गरजने वाले बादल हैं जो कभी बरसते नहीं वीर पुरुष बरसने वाले बादल होते हैं जो मूसलाधार वर्षा करके चले जाते हैं वीर पुरुष का शरीर शक्ति का भंडार होता है वीरों की नीति बल एकत्र करके उसकी वृद्धि में लगी होती है।वह वीर नहीं जो स्टील के बर्तन की तरह जड़ से गर्म और ठंडा हो जाए सत्य की सदा जीत होती है यह वीरता का चिन्ह है।जहां पवित्रता,प्रेम,धर्म और अटल आध्यात्मिक नियम है, वहीं जीत है। वीरता का प्रभाव पड़ता है परंतु दिखावे के कारण लोग वीर नहीं बन पाते।टीन के बर्तन का स्वभाव छोड़कर हमें सच्चाई के रास्ते पर दृढ़ हो जाना चाहिए। हमें जीवन की गहराई में घुसकर नए रंग खिलाने चाहिए।

वीरता की अभिव्यक्ति कई प्रकार से होती है। कभी उसकी अभिव्यक्ति लड़ने मरने में, खून बहाने में, तलवार तोप के सामने जान गँवाने में होती है तो कभी जीवन के गूढ़ तत्त्व और सत्य की तलाश में बुद्ध जैसे राजा विरक्त होकर वीर हो जाते हैं। वीरता एक प्रकार की अन्तः प्रेरणा है। जब कभी इसका विकास हुआ तभी एक नया कमाल नजर आया। एक नयी रौनक, एक नया रंग, एक नयी बहार, एक नयी प्रभुता संसार में छा गयी। वीरता हमेशा निराली और नयी होती है। नयापन भी वीरता का एक खास रंग है। वीरता देश काल के अनुसार संसार में जब कभी प्रकट हुई तभी एक नया स्वरूप लेकर आयी, जिसके दर्शन करते ही सब लोग चकित हो गये।

व्याख्या- लेखक ने वीरता के प्रभाव के विषय में बताया है हम जब किसी वीर पुरुष की वीरता का वर्णन सुनते हैं तो शरीर में लहरें उठती हैं और तन रोमांचित हो उठता है लेकिन दिखावे के कारण यह प्रभाव देर तक नहीं रह पाता क्योंकि हम सचमुच वीर नहीं बनना चाहते टीन के बर्तन का स्वभाव छोड़कर हमें सच्चाई के रास्ते पर दृढ़ हो जाना चाहिए। हमें जीवन की गहराई में घुसकर नए रंग खिलाने चाहिए।

★ (एक) परिमेय संख्या के रूप में :-

प्रत्येक पूर्णांक एक परिमेय संख्या है। 1 को 1/1, 2/2, 3/3, 4/4,.....-1/-1, -2/-2,...-20/-20.....के रूप में लिखा जा सकता है। अर्थात्
1=p/q, जहाँ पर p=q=पूर्णांक तथा $p = q \neq 0$

★ (एक) के प्रगुण :- गुणा का तत्समक अवयव-

किसी भी पूर्णांक को एक से गुणा करने पर गुणनफल वही पूर्णांक होता है। अर्थात्
यदि p/q कोई परिमेय संख्या हो, तो (p/q)x1 = p/q = 1x(p/q)

उदाहरण(1) :- (-5/7)×1= (-5/7)×1/1= (-5×1)/(7×1) = (-5/7)
(2) :- (-6/-11)×1= (-6/-11)×1/1= (-6×1)/(-11×1) = (-6/-11)

★ परिमेय संख्या का प्रतिलोम :-

(a) किसी परिमेय संख्या का योगात्मक प्रतिलोम -

यदि p/q कोई परिमेय संख्या है, तो p/q का योगात्मक प्रतिलोम= (-p/q), तथा (-p/q) का योगात्मक प्रतिलोम= -(-p/q)=p/q होगा।
परिमेय संख्या के योगात्मक प्रतिलोम को परिमेय संख्या का ऋणात्मक या विपरीत भी कहते हैं।

उदाहरण(1) :- (-4/7) का योगात्मक प्रतिलोम= -(-4/7) = 4/7, क्योंकि (-4/7)+4/7=0

(b) किसी परिमेय संख्या का गुणात्मक प्रतिलोम -

यदि p/q कोई परिमेय संख्या है, तो p/q का गुणात्मक प्रतिलोम q/p है, क्योंकि
p/q x q/p =1; $p \neq 0$, $q \neq 0$
परिमेय संख्या के गुणात्मक प्रतिलोम को परिमेय संख्या का व्युत्क्रम भी कहते हैं।
परिमेय संख्या x के गुणात्मक प्रतिलोम 1/x को x^{-1} भी लिखते हैं।

उदाहरण(1) :- (-5/8) का गुणात्मक प्रतिलोम= (8/-5), क्योंकि (-5/8)×(8/-5)=1

★अभ्यास हेतु प्रश्न★

प्रश्न(1) :- निम्न को सरल कीजिये :-
(a) (-3/4)×1 (b) 1×(-8/-9)
(c) (-6)×1 (d) (11/-12)×1

प्रश्न(2) :- योगात्मक प्रतिलोम ज्ञात कीजिये :-
(a) (-5/4) (b) (-8/-5)

प्रश्न(3) :- गुणात्मक प्रतिलोम ज्ञात कीजिये :-
(a) (-6/19) (b) (17/-16)

पृष्ठ संख्या 06 की उत्तरमाला-(A) 1. 1/12 2. 13/168 (C) प्रत्येक का उत्तर ~ 0

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नेहा सिंह (स0अ0; पू0मा0वि0 टिकरी, विकासक्षेत्र- बी0के0टी0, जनपद- लखनऊ)

मिशन शिक्षण संवाद

◆ परिमेय संख्याओं का भाग :-

एक परिमेय संख्या को दूसरी शून्येत्तर परिमेय संख्या से भाग करने में पहली परिमेय संख्या में दूसरी परिमेय संख्या (भाजक) के गुणात्मक प्रतिलोम से गुणा कर दिया जाता है अर्थात् यदि p/q तथा r/s दो परिमेय संख्याएं हों तो -

$$(p/q)\div(r/s)=(p/q)\times(s/r)=ps/qr$$

उदाहरण(1) :- 3/5 में (-2/7) से भाग दीजिये।

हल :- $(3/5) \div (-2/7)$
$= (3/5) \times (7/-2)$
$= (3\times7)/(5\times-2)$
$= 21/-10$

★अभ्यास हेतु प्रश्न(A)★

निम्नलिखित को सरल कीजिये :-

(a) (-3/7)÷(6/5) (b) (4/9)÷(-7/-3) (c) (9/-11)÷(7/3)

◆ध्यान देने योग्य बिंदु :-

★यदि x और y दो परिमेय संख्याएं हैं, $y \neq 0$, तो $x\div y$ एक परिमेय संख्या होती है।

★ यदि x कोई परिमेय संख्या है, तो $x\div1=x$, $x\div(-1)= (-x)$

★ प्रत्येक शून्येत्तर परिमेय संख्या x के लिए, $x\div x=1$, $x\div(-x)=(-1)$, $(-x)\div x=(-1)$

◆ परिमेय संख्या का निरपेक्ष मान :-

★ किसी भी परिमेय संख्या का निरपेक्ष मान कभी भी ऋणात्मक नहीं होता है।

★ प्रत्येक शून्येत्तर परिमेय संख्या का निरपेक्ष मान सदैव धनात्मक होता है।

★ परिमेय संख्या शून्य का निरपेक्ष मान शून्य होता है।

उदाहरण :-

(1) +5 का निरपेक्ष मान= $|+5| = 5$

(2) -5 का निरपेक्ष मान = $|-5|$
$= -(-5)$
$= 5$

(3) 0 का निरपेक्ष मान = $|0| = 0$

★अभ्यास हेतु प्रश्न(B)★

निम्नलिखित परिमेय संख्याओं के निरपेक्ष मान ज्ञात कीजिये :-

(a) (-15/7) (b) (-11/8) (c) (-7/-9) (d) (-8/17)

पृष्ठ संख्या 07 की उत्तरमाला-

(1) a. (-3/4) b. 8/9 c. (-6) (2) a. 5/4 b. (-8/5) (3) a. (19/-6) b. (-16/17)

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नेहा सिंह (स0अ0; पू0मा0वि0 टिकरी, विकासक्षेत्र- बी0के0टी0, जनपद- लखनऊ)

मिशन शिक्षण संवाद

◆ दो विभिन्न परिमेय संख्याओं के मध्य परिमेय संख्याओं का समावेशन :-

यदि दो परिमेय संख्याएँ (-2/3) और (-1/5) हैं तो इनके बीच परिमेय संख्याएँ निम्न प्रकार से ज्ञात कर सकते हैं :-

★सर्वप्रथम दी हुई परिमेय संख्याओं का हर समान करते हैं।

परिमेय संख्याओं (-2/3) व (-1/5) के हर समान करने पर प्राप्त संख्या-

(-10/15) व (-3/15)

इस प्रकार परिमेय संख्याओं (-10/15) और (-3/15) के बीच में निम्नलिखित प्रकार की परिमेय संख्या प्राप्त हुईं -

(-10/15 (-9/15)<(-8/15)<(-7/15)<(-6/15)<(-5/15)<(-4/15) (-3/15)

इस प्रकार (-2/3) और (-1/5) के बीच 6 परिमेय संख्याएँ हैं।

(-2/3) और (-3/5) के समतुल्य परिमेय संख्याएँ निम्नलिखित हैं :-

(-20/30) और (-18/30)

साथ ही (-20/30)<(-19/30)<(-18/30) अर्थात्

(-2/3)<(-19/30)<(-3/5)

◆ दो विभिन्न परिमेय संख्याओं के मध्य एक परिमेय संख्या ज्ञात करना :-

यदि x और y दो भिन्न परिमेय संख्याएँ हैं, तो-

$q_1 = (x + y)/2$; $q_2 = (q_1 + y)/2$; $q_3 = (q_2 + y)/2$......आदि x और y के मध्य होंगी। अतः दो भिन्न परिमेय संख्याओं के मध्य अनंत परिमेय संख्याएँ ज्ञात कर सकते हैं।

★अभ्यास हेतु प्रश्न(A)★

प्रश्न(1)- 1/6 और 1/3 के बीच चार परिमेय संख्याएँ ज्ञात कीजिये।

प्रश्न(2)- (-7/8) और (7/8) के बीच की परिमेय संख्या ज्ञात कीजिये।

प्रश्न(3)- (-5/4) और (-1/6) के ठीक मध्य की परिमेय संख्या ज्ञात कीजिये।

पृष्ठ संख्या 08 की उत्तरमाला-

(A) a. (-5/14) b. 4/21 c. (27/-77) (B) a. 5/7 b. (11/8) c. (7/9) d. (8/17)

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नेहा सिंह (स0अ0; पू0मा0वि0 टिकरी, विकासक्षेत्र- बी0के0टी0, जनपद- लखनऊ)

मिशन शिक्षण संवाद

प्रकृति द्वारा प्राप्त अनेक साधनों के बाद भी मानव की आवश्यकताएं बढ़ने के कारण मानव ने अपनी बुद्धि और कौशल से अनेक वस्तुओं का निर्माण करना आरम्भ किया। प्रमुख वस्तुएं इस प्रकार हैं-

1.वस्त्र: ये रेशों द्वारा बनाये जाते हैं। ये दो प्रकार के होते हैं।

👉प्राकृतिक रेशे-प्रकृति से प्राप्त होने वाले रेशों को प्राकृतिक रेशे कहते हैं। जैसे- कपास,भेंड के बाल आदि।

👉संश्लेषित रेशे- आजकल मनुष्य नायलॉन, टेरेलीन आदि का प्रयोग करते हैं।

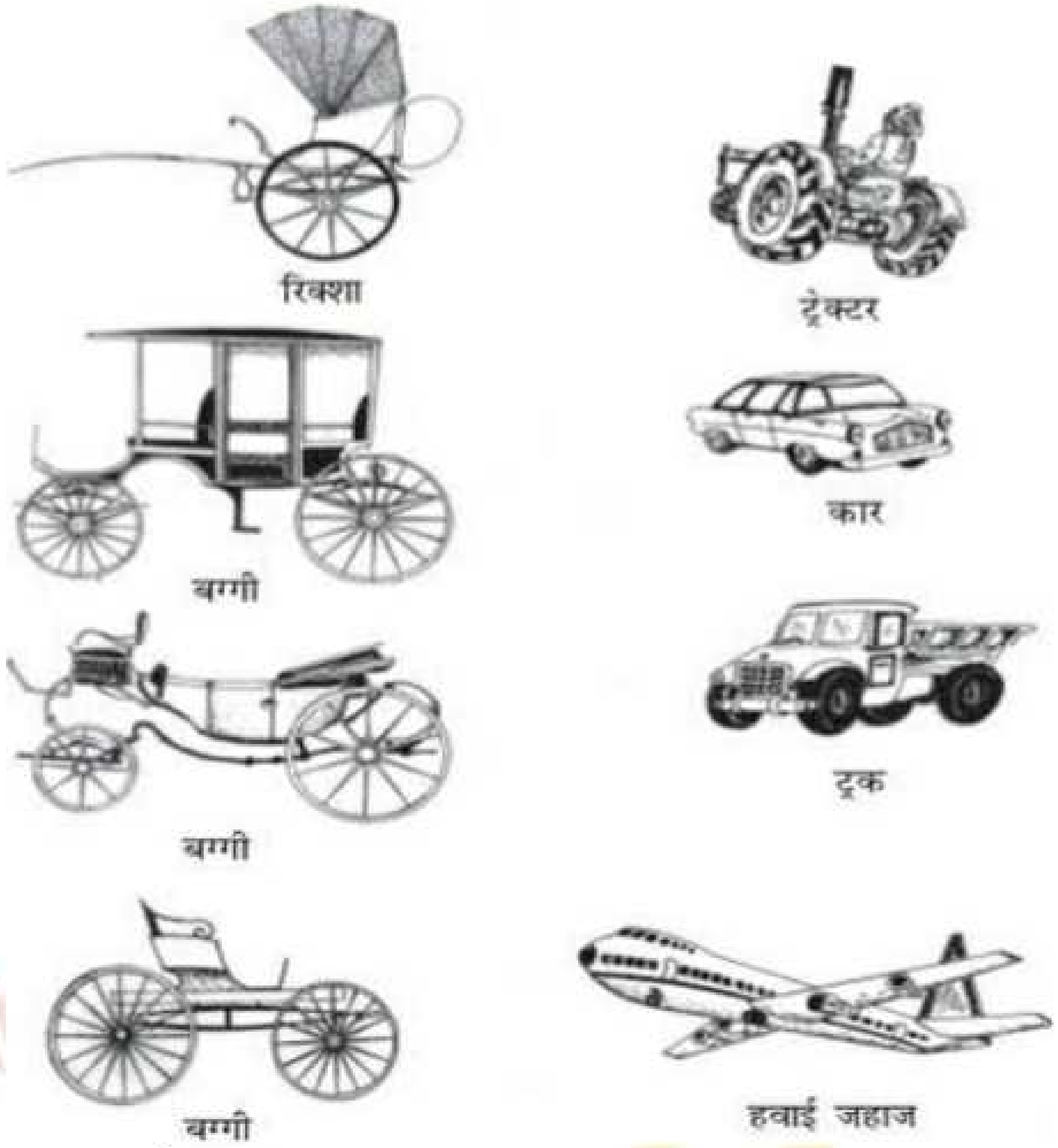

वस्त्र	प्रयुक्त रेशे	स्त्रोत
1.सूती	सूती धागे	कपास
2.ऊनी	ऊनी धागे	जंतुओं के बाल
3.रेशमी	रेशमी धागे	रेशम के कीट
4.टेरेलीन	संश्लेषित रेशे	मानव निर्मित

2. भवन निर्माण- भवन निर्माण में ईट,पत्थर, गार्टर, सरिया, मोरंग, बालू तथा मिट्टी का उपयोग किया जाता है।

<u>विशेष- सीमेंट से दीवार को जुड़ने के लोए प्लास्टर, स्लैब व फर्श आदि बनने के पश्चात कुछ दिनों तक लगातार पानी का छिड़काव उसकी मजबूती के लोए किया जाता है।</u>

मानव निर्मित वस्तुएं

अभ्यास कार्य

खाली स्थान-

1.सूत, रेशम,ऊन...... रेशे हैं।

2.भवन निर्माण में ____,____,____ तथा____ का प्रयोग होता है।

3.सीमेंट को दीवार से जुड़ने के लिए _____ का छिड़काव किया जाता है।

विषय- **विज्ञान** पाठ-2-मानव निर्मित वस्तुएं कक्षा - **8**

प्रकरण- मानव निर्मित वस्तुओं की उपयोगिता क्रमांक- **8**

मिशन शिक्षण संवाद

👉घरेलू कार्यों में जैसे नहाने,घर की साफ़-सफाई, सजावटी वस्तुएं, सिलाई-बुनाई आदि में मानव निर्मित वस्तुओं का प्रयोग किया जाता है।

👉सीमेंट,प्लास्टिक,पेंट, कांच व धातुओं से बने बर्तन, सौंदर्य प्रसाधन सभी का दैनिक जीवन में अत्यधिक महत्व है।

👉कृषि कार्य में हंसिया, खुरपी, फावड़ा, कुदाल आदि का खेत जोतने में, फसल काटने में,मड़ाई करने में प्रयोग किया जाता है। उदा॰ पावर टिलर, ट्रैक्टर।

👉औषधियों में हम अब तक प्रकृति प्रदत्त जड़ी-बूटियों का प्रयोग करते थे। परंतु रासायनिक रूप से उपलब्ध औषधियाँ असाध्य रोगों जैसे कि टी बी, निमोनिया, हैजा, मियादी बुखार का निर्माण हुआ है।

<u>विशेष-</u>

<u>प्रतिजैविक औषधि - प्रतिजैविक या एंटीबायोटिक एक पदार्थ या यौगिक है, जो जीवाणु को मार डालता है या उसके विकास को रोकता है। उदा॰ - पेनेसलीन, टेट्रासाइक्लिन, क्लोरोमायसिन आदि।</u>

1. ट्रैक्टर। 2. पावर टीलर

अभ्यास कार्य

निम्न तालिका को पूर्ण करिये-

क्रम	कार्य	उपयोग की जाने वाली मानव निर्मित वस्तुएं
1.	कपडे धोना	
2.	भोजन पकाना	
3.	सिलाई	
4.	घर की सजावट	
5.	बुनाई	

प्रश्नोत्तर-

1.कृषि कार्य में प्रयोग किये जाने मानव निर्मित प्रमुख यन्त्र कौन-कौन से हैं?

2.प्रतिजैविक औषधि से आप क्या समझते हैं?

<u>उत्तर क्रमांक-7</u>

<u>खाली स्थान-</u>

1.<u>प्राकृतिक</u>

2.<u>रुई,पत्थर,सरिता तथा समुद्र</u>

3.<u>पानी</u>

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- स्वाति सचान (स.अ.) यूपीएस मुहारा,जखौरा ललितपुर

विषय- **विज्ञान** पाठ-2-मानव निर्मित वस्तुएं कक्षा - **8**

प्रकरण- मानव निर्मित वस्तुओं की उपयोगिता क्रमांक - **9**

मिशन शिक्षण संवाद

<u>संश्लेषित रेशे</u>- नायलॉन,पॉलिस्टर, डेक्रॉन, रेयॉन आदि मानव निर्मित रेशे हैं। जिन्हें संश्लेषित रेशे भी कहते हैं।ये उच्च अणुभार वाले एवं आकर्षक होने के साथ मज़बूत एवं टिकाऊ भी होते हैं।पानी से भीगने पर ये जल्दी सूखते हैं।

<u>प्लास्टिक</u>-हाइड्रोजन व कार्बन के बने बहुलक प्लास्टिक कहलाते हैं। बेकेलाइट, नायलॉन, टेरेलीन, टेफलॉन, PVC प्लास्टिक पदार्थों क् उदाहरण हैं।

प्लास्टिक के उपयोग

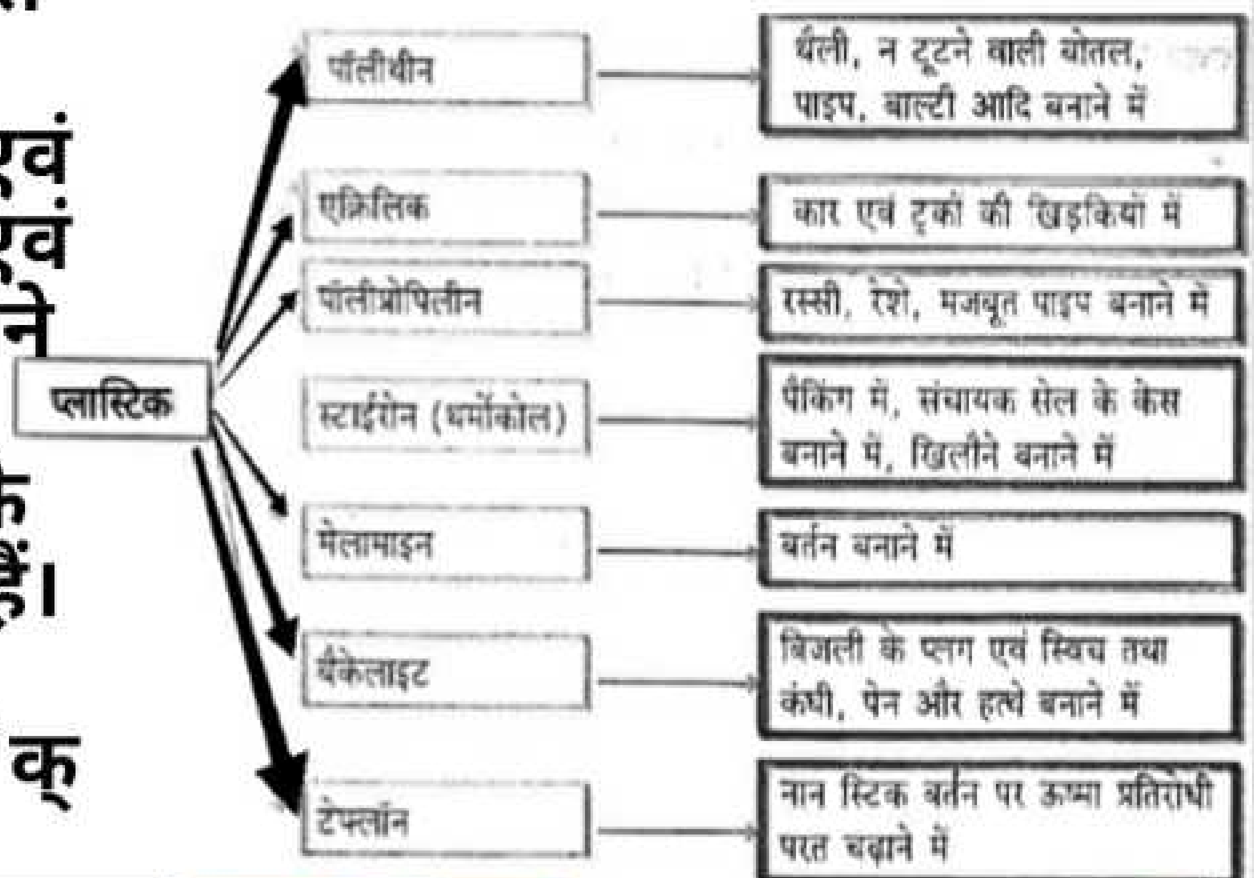

प्लास्टिक की कठोरता एवं गलनांक के आधार पर दो भागों में बाँटते हैं-

थर्मोप्लास्टिक	थर्मोसेटिंग
•ऐसे प्लास्टिक हैं जो गर्म करने पर आसानी से विकृत ही जाते हैं और सरलतापूर्वक मुड़ जाते हैं। •ये खिलौने, कंघी और कई तरह के सामान बनाने में प्रयुक्त होते हैं। •जैसे-पॉलीथीन व पीवीसी।	•इन्हें एक बार सांचे में ढाल दिया जाता है तो ऊष्मा देकर गर्म नहीं किया जा सकता। •ये बिजली स्विच,हैंडल एवं कई तरह क् बर्तन बनाने में प्रयुक्त होती है। •जैसे-बेकेलाईट और मैलामाईन।

<u>प्लास्टिक एवं पर्यावरण</u>- प्लास्टिक का जैव निम्नीकरण नहीं होता है। अत: यह पर्यावरण के हानिकारक है साथ ही ये अत्यन्त सुविधाजन भी है इसकारण इसका चक्रीकरण किया जाना अतिआवश्यक है।

<u>टेफलॉन</u>-ये विशिष्ट प्लास्टिक है जिसका उपयोग भोजन पकाने के पात्रों पर न चिपकने वाली परत के लिए होता है।

अभ्यास कार्य

प्रश्नोत्तर-

1.थर्मो प्लास्टिक व थर्मोसेटिंग प्लास्टिक में अंतर बताइये?

2.टेफलॉन का क्या उपयोग है?

3.दैनिक जीवन में प्लास्टिक की क्या उपयोगिता है?

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- स्वाति सचान (स.अ.) यूपीएस मुहारा,जखौरा ललितपुर

तृतीय अन्विति

आश्रमे छात्राणां कृते एते नियमा आसन्.प्रातः सूर्योदयात् पूर्वम् उत्थातव्यम्ए नद्यां स्नानं कर्तव्यम्ए सन्ध्यावन्दनं करणीयम्ए ईश्वरः नमनीयः सहैव खादनीयं ततः पठनाय कक्षायां गन्तव्यम्। एतान् आश्रमनियमान् सर्वे छात्राः पालनं कुर्वन्तः आसन्।सम्प्रत्यपि आश्रमोऽयं छात्रेभ्यः श्रेष्ठं संस्कारं प्रयच्छति। तत्र जातिगतं भेदभावं विना सर्वे निवसन्ति। स्वास्थ्य.संवर्धनाय व्यायामस्यए योगस्य प्राकृतिकचिकित्सायाश्च शिक्षणं प्रचलति। स च आश्रमः त्यागं तपस्यां परोपकारम् उदारतां च शिक्षयति।

हिंदी अनुवाद

आश्रम में छात्रों के लिए ये नियम थे – प्रात: सूर्य उदय से पूर्व उठना चाहिए ,नदी में स्नान करना चाहिए ,संध्यवंदन करना चाहिए, ईश्वर को नमन करना चाहिए, एक साथ में खाना चाहिए।इसके बाद पढ़ने के लिए कक्षा में जाना चाहिए। आश्रम के इन नियमों का सभी छात्र पालन करते थे। इस समय भी यह आश्रम छात्रों को श्रेष्ठ संस्कार देता है । वहां जातिगत, भेदभाव के बिना सभी निवास करते हैं। स्वास्थ्य - संवर्धन के लिए व्यायाम का , योग का ,प्राकृतिक चिकित्सा का शिक्षण प्रचिलित है । वह आश्रम त्याग ,तपस्या ,परोपकार और उदारता की शिक्षा देता है।

शब्द - अर्थ

उत्थातव्यम् - उठना चाहिए।
कर्त्तव्यम् -करना चाहिए।
सहैव - साथ ही।
खादनीयम्-खाना चाहिए।
पठनाय -पढ़ने के लिए
गन्तव्यम्-जाना चाहिए।

गृह-कार्य

सही मिलान करो

१-सूर्योदयात् पूर्वम्	खादनीयम्
२-स्नानम्	गन्तव्यम्
३-सहैव	उत्थातव्यम्
४-पठनाय कक्षायां	कर्त्तव्यम्

प्रश्न-१ आश्रम में छात्रों के लिए क्या नियम थे?

प्रश्न-२ स्वास्थ्य -संवर्धन के लिए आश्रम में किन -किन विषयों की शिक्षा दी जाती है?

क्रमांक-5

द्वितीय अन्विति

मातृदेवो भव

तस्मिन् एव काले सतीशस्य मित्रम मुकुलः तत्र प्राप्तः।
सः सतीशस्य जननीं ज्वरेण पीड़िताम अपश्यत्। सः ताम अपृच्छत -"कुत्र सतीशः गतः "इति । सा अवदत् -मित्रैः सह क्रीडितुम गतः ।मुकुलः दुखितो अभवत् । सः बहिः अगच्छत । सः सतीशम् क्रीड़ाक्षेत्रात गृहम् आनयत् अवदत् च -हे मित्र एषा तव जननी ज्वर पीड़िता अस्ति । त्वया अस्याः सेवा कर्तव्या ।

शब्द - अर्थ

तत्र प्राप्तः -वहां पहुंचकर
अपश्यत् - देखा
कुत्र -कहां
बहिः -बाहर
क्रीडाक्षेत्रात्-खेल के मैदान से
कर्तव्या -करना चाहिए

हिंदी अनुवाद

उसी समय सतीश का मित्र मुकुल वहां पहुंचा।उसने सतीश की माता को बुखार से पीड़ित देखा।उसने उनसे पूछा-"सतीश कहां गया"। वह बोली-"मित्रों के साथ खेलने गया।"मुकुल दुःखी हो गया।और वह बाहर चला गया।

वह सतीश को खेल के मैदान से घर ले आया और बोला-हे मित्र! तुम्हारी मां बुखार से पीड़ित है।तुम्हें इनकी सेवा करनी चाहिए।

प्रश्न-1किसने कहा-

(क)-मित्रैः सह क्रीडितुम् गतः।
(ख)-हे मित्र!ऐसा तव जननी ज्वरपीडिता अस्ति।

प्रश्न-२ एक शब्द में उत्तर दो।

(क)-कः दुःखितोऽभवत्?
(ख)-कः वैद्यम् आनयत्?

उत्तर-१(क)-माता,(ख)-मुकुलः।
उत्तर-२(क)मुकुलः,(ख)-सतीशः

जरा सोचिए, अंग्रेज फ्रांस व अन्य यूरोपीय भारत व्यापार करने आए थे। परंतु अपना राज बनाने को सोचने लगे। क्यों?? यह किस तरह हुआ??
आइए उनके बारे में जानते हैं । 18वीं सदी में मुगल साम्राज्य कमजोर होने पर प्रांतीय शासकों ने अपने आप को स्वतंत्र घोषित कर दिया। इसमें बंगाल मैसूर हैदराबाद आदि प्रमुख थे ।मुगल बादशाह का नियंत्रण अब केवल नाम मात्र का गया था। इसी का फायदा उठा कर यूरोपवासी भारत को उपनिवेश बनाना शुरु किया और व्यापार से ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए कई वर्षों तक प्रयास करते रहे। मुख्य देश उपनिवेश राज्य के सभी साधनों का प्रयोग अपने हित में करता। जिससे मुख्य देश (पहला देश) उन्नति करता चला जाता जबकि उपनिवेश(दूसरा देश) अवनति की ओर जाने लगता है।

क्योंकि उस समय इंग्लैंड में अब जो भी क्रांति हो चुकी थी।अत: वह भारत को सिर्फ कच्चे माल की पूर्ति का साधन बनाना चाहते थे। इंग्लैंड अपने यहां का बना सस्ता कपड़ा और दूसरा समान भारत को ऊंचे दाम पर बेचकर मुनाफा कमाना चाहते थे। अंग्रेज भारत में प्रमुख फसलों को उगाकर दूर-दूर तक बेचते थे जैसे नील, गन्ना, चाय,पटसन, कहवा आदि। इन सब चीजों के व्यापार के लिए उन्होंने भारत में रेलवे लाइन बिछाई और सड़कें बिछाना भी शुरू किया। इसके लिए वे लोहा, कोयला, आदि खनिजों की खदान खोदना चाहते थे व जंगल से लकड़ी का व्यापार करना चाहते थे।

उत्तर क्रमांक 6

उत्तर 1 यूरोप।
उत्तर 2 मसाले ।
उत्तर 3 बैंक की।

अभ्यास कार्य

प्रश्न 1 यूरोपीय मुख्यता भारत किस लिए आये थे???
प्रश्न 2 किन प्रमुख प्रांतीय शासकों ने अपने को स्वतंत्र घोषित कर दिया???
प्रश्न 3 अंग्रेज भारत से कैसा माल ले जाते थे??

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- सुनीता यादव श्रावस्ती, सुधांशु श्रीवास्तव फ़तेहपुर

विषय- हमारा इतिहास एवं नागरिक जीवन पाठ- भारत में अंग्रेजी राज्य की स्थापना कक्षा - 8

प्रकरण- दक्षिण भारत के युद्ध क्रमांक - 9

मिशन शिक्षण संवाद

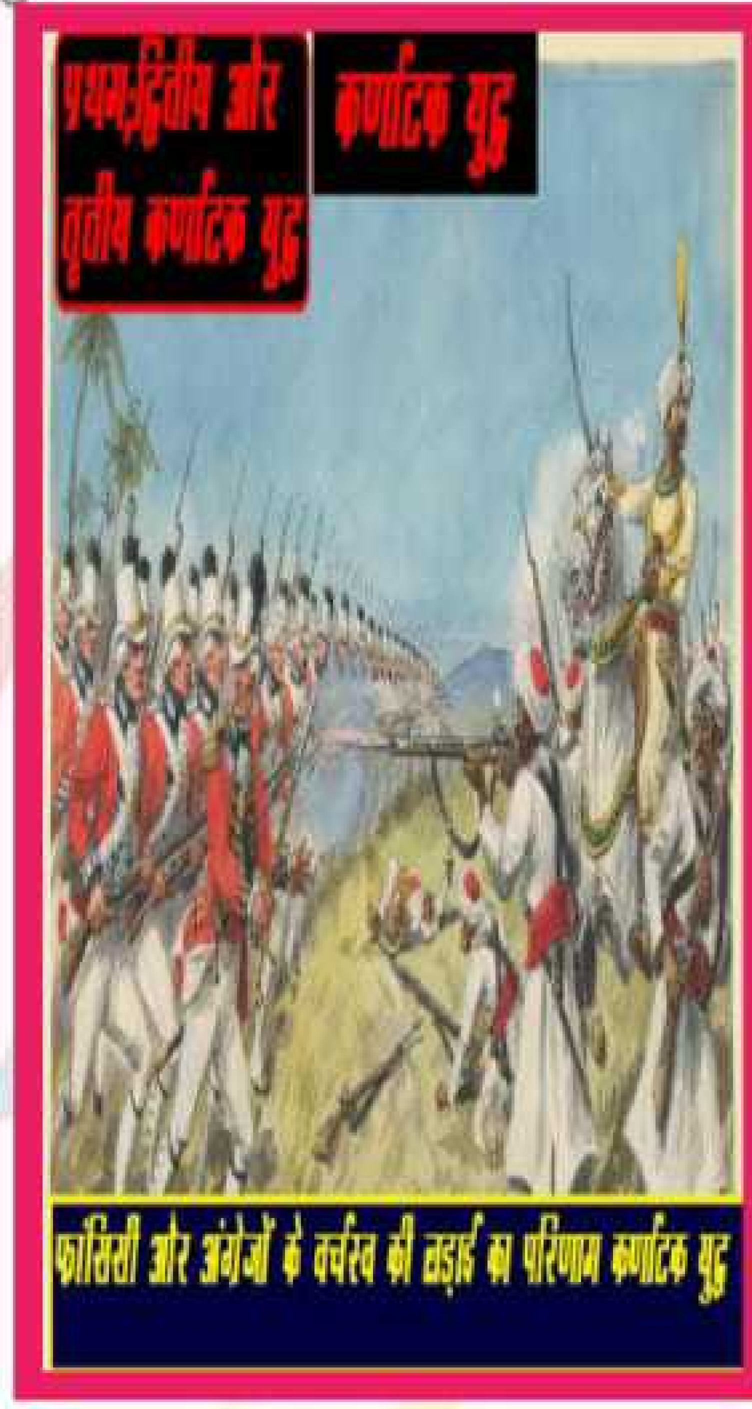

भारतीय राजा कंपनियों को सैन्य सहायता के बदले बहुत सारा धन दे देते। यह धन उनके व्यापार में काम आता था। कभी-कभी कंपनियां सहायता के बदले बड़ी-बड़ी जागीरें एवं जगह भी मांगा करती थीं। उस इलाके में यह कंपनियां लगान वसूलती थी और प्राप्त धन से व्यापार करती थी।

यूरोप में फ्रांसीसी और अंग्रेज आपस में युद्ध में उलझे हुए थे अतः बाहर भी एक दूसरे से नफरत करते थे ।भारत में अपनी जमीन की सुरक्षा के लिए इन कंपनियों ने कोठी की किलेबन्दी शुरू कर दी और एक दूसरे से युद्ध भी किया। जिससे अपना व्यापार और सुदृढ़ किया जा सके।दक्षिण में 1746 से 1763 तक आंग्ल कर्नाटक युद्ध लड़े गए। जिसमें तीन युद्ध हुए और इस युद्ध के परिणाम स्वरूप अंग्रेजों ने फ्रांसीसियों को बुरी तरह हराया और वांडीवाश(1760) के युद्ध के बाद फ्रांसीसियों का क्षेत्र सिर्फ व्यापार तक ही सीमित रह गया। इन युद्धों का प्रमुख कारण था भारतीय राजाओं का आपस में एक ना होना जिसके कारण कुछ राजाओं की मदद अंग्रेजों ने की तथा कुछ राजाओं की मदद फ्रांसीसी ने की। इस प्रकार यह सीधे अंग्रेजों और फ्रांसीसी यों से जुड़ गया और युद्ध के परिणाम अंग्रेजों के पक्ष में रहे।

प्रथम आंग्ल कर्नाटक युद्ध 1746 -1748
द्वितीय आंग्ल कर्नाटक युद्ध 1749 -1754
तृतीय आंग्ल कर्नाटक युद्ध 1756 -1763

अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1 राजा द्वारा दिये इलाके में कम्पनियां क्या करती थीं?
प्रश्न 2 वान्डीवाश का युद्ध कब हुआ?
प्रश्न 3 वान्डीवाश के युद्ध में अंग्रेजों ने किसे हराया??
प्रश्न 4 कितने आंग्ल कर्नाटक युद्ध लड़े गए??
प्रश्न 5 पहला आंग्ल कर्नाटक युद्ध कब हुआ?
प्रश्न 6 दूसरा आंग्ल कर्नाटक युद्ध कब हुआ?

उत्तर क्रमांक 8

उत्तर 1 चाय, काफी, नील।
उत्तर 2 इंग्लैण्ड।
उत्तर 3 लॉर्ड क्लाइव।
उत्तर 4 डूप्ले।

रिक्त स्थान भरें

1 वान्डीवाश का युद्ध______में हुआ।
2 कम्पनियां________ वसूलती थीं।
3 राजा द्वारा दिये पैसों से कम्पनियां______ करती थीं
4 कम्पनियों ने कोठियों की ______ की।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- सुधांशु श्रीवास्तव फ़तेहपुर

ईस्ट इंडिया कंपनी भारत में चाय, कॉफी, नील आदि के बागान लगाती और इंग्लैण्ड के कारखानों में उसको भेजती। चाय पत्ती, नील और कपास को इंग्लैंड में सस्ते दाम पर बेच कर कंपनी खूब पैसा कमाती। अपने व्यापार की राह सरल बनाने के लिए उन्होंने डॉक, दूरसंचार व्यवस्था, सड़क, रेल व्यवस्था शुरू की। जिससे उनके व्यापार में और तेजी आई और उनका मुनाफा बढ़ता गया। ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और फ्रेंच ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत में व्यापार के वर्चस्व के लिए लंबे समय तक लड़ाइयां लड़ीं। ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की ताकत बढ़ाने की जिम्मेदारी लार्ड क्लाइव के पास थी। वहीं फ्रांसीसी कंपनी का नेतृत्व डूप्ले कर रहा था।

भारत की राज्य और विदेशी कंपनियों की सेना:-

भारत के राज्य परस्पर एक दूसरे पर हमला करते रहते थे इसलिए वह विदेशी कंपनियों की मदद लेने में नहीं हिचकते थे।
युरोपीय सेना अनुशासित थी। यूरोपीय सेनाओं के पास बढ़िया घुड़सवार, नौसेना, तोपें थी।इससे उनकी शक्ति बहुत मजबूत थी और इस तरह वे जिस राजा का समर्थन करते उस राजा की शक्ति दोगुनी वो जाती।

बच्चों, आपकी समझ से मुनाफा कमाने के लिए पैसों का उपयोग किस प्रकार करना ठीक होगा? पैसों को घर में रखना, बैंक में जमा करना, सोना-चाँदी खरीदना या उद्योग में लगाना और क्यों?

अभ्यास कार्य

प्रश्न 1 ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी भारत में किसके बागान लगाती थी?
प्रश्न 2 भारत से प्राप्त कच्चा माल ईस्ट इंडिया कंपनी कहां भेजती थी?
प्रश्न 3 ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी का नेतृत्व कौन कर रहा था?
प्रश्न 4 फ्रांसीसी कंपनी का नेतृत्व कौन कर रहा था?

उत्तरमाला क्रमांक 7

1 व्यापार के लिए।
2 बंगाल, मैसूर, हैदराबाद आदि।
3 कच्चा माल।

मिशन शिक्षण संवाद

कुपोषण (Malnutrition)

शरीर में पोषक तत्वों की कमी या अधिकता से कुपोषण होता है।

कुपोषण के कारण-

अपर्याप्त भोजन
अनुपयुक्त भोजन
जागरूकता की कमी
अस्वच्छ वातावरण
गरीबी
भोज्य पदार्थों में मिलावट
अतिपोषण स जनसंख्या वृद्धि।

कुपोषण से होने वाले रोग-

क्वाशियोरकर (Kwashiorkor)

बच्चों में प्रोटीन की कमी से होने वाला क्वाशियोरकर मुख्य रोग है। इस रोग में बच्चों के शरीर की वृद्धि रुक जाती है। उन्हें भूख कम लगती है तथा शरीर पर सूजन आ जाती है। बाल रुखे तथा चमक रहित हो जाते हैं। त्वचा रूखी हो जाती है और उस पर काले चकत्ते पड़ जाते हैं। आँखें कमजोर हो जाती हैं।

उपचार

क्वाशियोरकर रोग का मुख्य कारण प्रोटीन की कमी का होना है। अत: बच्चों को प्रोटीनयुक्त आहार जैसे- मटर, मूँग, चना, अरहर, सोयाबीन आदि दालें भोजन में देना चाहिए। इसके अतिरिक्त अनाज, मूँगफली, दूध आदि का सेवन भी लाभदायक होता है।

सूखा रोग (Rickets)

शरीर में कैल्शियम एवं विटामिन 'डी' की कमी हो जाने से बच्चों को सूखा रोग, अस्थि-दुर्बलता या रिकेट्स हो जाता है। शरीर में कैल्शियम और फॉस्फोरस दोनों तत्व हड्डियों व दाँतों का निर्माण एवं उनको स्वस्थ बनाए रखने का कार्य करते हैं। जब बालक के अंग तेजी से बढ़ रहे होते हैं तो उसे अस्थि तंत्र के निर्माण के लिए कैल्शियम और फॉस्फोरस दोनों खनिजों की अधिक मात्रा की आवश्यकता होती है। इनके अभाव में बच्चे का विकास कम होता है तथा शरीर अत्यन्त दुर्बल हो जाता है, जिसे सूखा रोग कहते हैं। सूखा रोग न हो इसके लिए बढ़ते हुए बच्चों को प्रतिदिन लगभग डेढ़ ग्राम कैल्शियम और डेढ़ ग्राम फॉस्फोरस की आवश्यकता होती है।

उपचार

सूखा रोग शरीर में कैल्शियम, फॉस्फोरस एवं विटामिन 'डी' की कमी से होता है। अतः इन तत्वों की पूर्ति हेतु दूध, दही, पनीर, अंडा, दाल, फल तथा पत्तेदार सब्जियों का सेवन करना चाहिए। दैनिक आहार में दूध तथा

अभ्यास कार्य

(1)- कुपोषण किन कारणों से होता है ? इससे होने वाले किसी एक रोग के लक्षण व उपचार लिखिए।
(2)- विटामिन D की कमी से कौन सा रोग होता है ?
(3)-हड्डियों व दाँतो के निर्माण में कौन से खनिज लवण सहायक होते है?

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- रीना स. अ. प्रा. चौकरी बंगरा झाँसी

विषय- गृह शिल्प पाठ- स्वास्थ्य कक्षा - 8

प्रकरण- कुपोषण क्रमांक - 4

मिशन शिक्षण संवाद

इन्हें भी जानें

कैल्शियम तथा फास्फोरस का प्रभाव विटामिन 'डी' की उपस्थिति में ही होता है। अतः जिन व्यक्तियों को कैल्शियम और फास्फोरस की विशेष रूप से आवश्यकता होती है, उन्हें विटामिन 'डी' युक्त भोज्य पदार्थों का भी अधिक मात्रा में सेवन करना चाहिए। सूर्य से विटामिन 'डी' प्राप्त होता है।

कुपोषण से बचाव हेतु सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। जिसमें गरीब परिवार को चिन्हित कर बी0पी0एल0(गरीबी रेखा से नीचे) कार्ड बनाए जाते हैं। इन कार्डों के माध्यम से वे लोग सस्ते दरों पर अनाज प्राप्त कर सकते हैं।

रक्ताल्पता (Anaemia)

यदि किसी बालक के भार का परीक्षण करने के पश्चात् यह प्रतीत होता है कि बालक का भार आवश्यक भार से कम है, बालक आलसी और सुस्त है तथा चेहरे से पीलापन झलक रहा है तो निश्चित ही वह रक्त क्षीणता या रक्ताल्पता का शिकार है। इस रोग में लाल रक्त कण प्रभावित हो जाते हैं। स्वस्थ लाल रक्त कणों में हीमोग्लोबिन होता है जो रक्त को लालिमा देता है। रक्ताल्पता की स्थिति में लाल रक्त कणों की रचना एवं क्रिया में अंतर आ जाता है।

क्या आपके विद्यालय में कभी डॉक्टर द्वारा स्वास्थ्य जाँच हुई है ? उन्होंने आप सभी को स्वस्थ रहने के लिए क्या-क्या जानकारियाँ दीं ?

रक्ताल्पता के कारण

1. शरीर के किसी अंग से अधिक मात्रा में खून बह जाना।
2. दूषित पेयजल, व्यक्तिगत एवं भोजन संबंधित अस्वच्छता के कारण पेट संबंधी संक्रमण का होना, जिससे मल के रास्ते खून आना।

रक्ताल्पता के लक्षण

1. पैरों में सूजन आना।
2. आँखों की निचली पलक के अंदर के हिस्से का सफेद/फीका पड़ना।
3. नाखूनों एवं जीभ का सफेद/फीका पड़ना।
4. प्रतिदिन के कार्य करने में थकान महसूस करना।
5. भूख कम लगना।

रक्ताल्पता का उपचार

1. चिकित्सकीय परीक्षण द्वारा रक्ताल्पता के आधारभूत कारणों को खोजना।
2. मौसमी हरे पत्तेदार सब्जियों का प्रचुर मात्रा में सेवन करना।
3. रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी को दूर करने के लिए लौह तत्वों से युक्त भोज्य पदार्थों को लेना।
4. थकान से बचने के लिए पर्याप्त विश्राम, स्वस्थ वातावरण, संतुलित आहार लेना।
5. साफ-सफाई रखना एवं खुले में शौच न करना।

अभ्यास कार्य

1-रक्ताल्पता क्या है? इसके कारण लक्षण व उपाय अपने शब्दों मे लिखो

2-विटामिन D का स्रोत क्या है ?

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- रीना स. अ. प्रा. चौकरी बंगरा झाँसी

विषय- गृह शिल्प पाठ- स्वच्छता कक्षा - 8

प्रकरण- व्यक्तिगत स्वच्छता क्रमांक - 5

मिशन शिक्षण संवाद

व्यक्तिगत तथा पर्यावरणीय स्वच्छता का हमारे स्वास्थ्य से घनिष्ठ सम्बन्ध है। हमारा स्वास्थ्य स्वच्छता पर ही निर्भर करता है। व्यक्तिगत स्वच्छता के अंतर्गत हमारे शरीर तथा उसके अंगों की सफाई आती है। पर्यावरणीय स्वच्छता का संबंध घर, आस-पड़ोस तथा सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता से है। यदि हम व्यक्तिगत स्वच्छता पर ध्यान देते हैं और पर्यावरणीय स्वच्छता पर ध्यान नहीं देते हैं तो ऐसी स्थिति में पर्यावरणीय वातावरण के दूषित होने के कारण हमें न तो स्वच्छ जल, न स्वच्छ हवा और न ही स्वच्छ भोजन मिल पायेगा। स्वच्छता के अभाव में पर्यावरण के कीटाणु हमारे शरीर को रोग ग्रस्त करते हैं।

यदि हमारा पर्यावरण पूरी तरह से स्वच्छ है, लेकिन हमारा पूरा शरीर स्वच्छ नहीं है तो कीटाणु हमारे शरीर में पैदा होकर स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालते हैं, और हमारे सुखी जीवन को नष्ट कर देते हैं। इस प्रकार स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ पर्यावरणीय स्वच्छता पर ध्यान देना बहुत ही आवश्यक है।

व्यक्तिगत स्वच्छता (Individual Cleanliness

व्यक्तिगत स्वच्छता का हमारे जीवन में विशेष महत्व है। व्यक्तिगत स्वच्छता के अभाव में हम तरह-तरह की बीमारियों से पीड़ित हो जाते हैं। इसीलिए हम प्रतिदिन अपने शरीर तथा उसके विभिन्न अंगों की स्वच्छता पर ध्यान देते हैं। हमें अपने शरीर की स्वच्छता क्यों, कब तथा कैसे करनी चाहिए ? इसे हम नीचे बनी तालिका की सहायता से समझ सकते हैं।

शौच के बाद हाथ साबुन या निसंक्रमित पदार्थ से धोना चाहिए

प्रतिदिन मंजन करना चाहिए

प्रतिदिन स्नान करना चाहिए

बालों की उचित देखभाल करनी चाहिए

अभ्यास कार्य

(1) स्वच्छता का क्या अर्थ है ?

(2) व्यक्तिगत स्वच्छता से क्या समझते है ?

(3) आप अपने दाँतों एवं नाखूनों की सफाई क्यों करते हैं ?

(4) व्यक्तिगत स्वच्छता में कौन-कौन सी स्वच्छता आती है ?

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

ग़ालिब के ख़ुतूत

حصہ 2

غالب کے خطوط

بچو اس سے پہلے بھاگ بمیں ہم نے غالب کے بارے میں جانکاری حاصل کی تھی۔ اور ان کے بارے میں بتایا گیا تھا کہ ان کے خط لکھنے کا انداز بے باک اور دوستانہ تھا۔ اب ہم اس بھامیں آپ کو غالب کے لکھے ہوئے ایک خط کے بارے میں بتائیں گے جو انہوں نے مرزا تفتہ کے نام لکھا وہ غالب کے دوست تھے اور ان کے ساتھ بہادر شاہ ظفر کی دلی ادبی محفلوں کے مشاعرے میں ساتھ رہتے تھے۔

مرزا تفتہ کے نام خط

"کیوں صاحب روٹھے ہی رہو گے یا منو گے بھی؟ اور اگر کسی طرح نہیں مانتے ہو تو روکنے کی وجہ تو لکھو۔" میں اس تنہائی میں صرف خطوں کے سہارے ہی جیتا ہوں یعنی جس کا خط آیا میں نے جانا وہ شخص خود تشریف لایا۔ خدا کا احسان ہے کی کوئی دن ایسا نہیں ہوتا جب دو چار خط نہ آتے ہو بلکہ ایسا بھی ہوتا ہے کی ڈاکہ ہرکارہ خط لاتا ہے ایک دو صبح کو اور ایک دو شام کو میری دل لگی ہو جاتی ہے دن ان کے پڑھنے اور لکھنے میں گزر جاتا ہے کیا سبب ہے کہ دس بارہ دن سے تمہارا کوئی خط نہیں آیا یعنی تم نہیں آئے ایسی بھی کیا بات ہے خط نہ لکھنے کی وجہ تو لکھو۔ آدھا نے میں بخل نہ کروں ایسا ہی ہے تو بیرنگ بھیجو۔

बच्चों इससे पहले भाग में हमने ग़ालिब के बारे में जानकारी हासिल की और उनकेबताया गया था की उनके खत लिखने का अंदाज़ बेबाक और दोस्ताना था।
अब हम इस भाग में आप को ग़ालिब के लिखें हुए एक ख़त के बारे में बताएंगे जो उन्होंने मिर्ज़ा तफ़ता के नाम लिखा था वो उनके दोस्त थे और उन के साथ बहादुर शाह ज़फ़र की दिल्ली अदबी महफ़िल के मुशायरे में साथ रहते थे।

मिर्ज़ा तफता के नाम ख़त — ख़त का नमूना

ग़ालिब लिखते है की " क्यों साहब रूठे ही रहोगे या मानोगे भी? और अगर किसी तरह नहीं मानते हो तो रूठने की वजह तो लिखो |मैं इस तन्हाई में सिर्फ खातों के सहारे जीता हूँ|यानी जिस का ख़त आया मैंने जाना वो शख्स तशरीफ़ लाया| खुदा का अहसान है की कोई दिन ऐसा नहीं जाता जो दो चार ख़त ना आते हो बल्कि ऐसा भी होता है की डाक का हरकारा दो बार ख़त लता है एक सुबह को एक शाम को मेरा दिन उनको पड़ने और जवाब लिखने में गुज़र जाता है|क्या बात है दस बारह दिन से तुम्हारा कोई ख़त नहीं आया यानी तुम नहीं आये ख़त ना लिखने की वजह तो लिखो आधआने में बुख़ल ना करो ऐसा ही है तो बैरंग भेजो |
ग़ालिब

पेज 7 के जवाब

✍جواب1۔ غالب کا پورا نام مرزا اسد اللہ خان غالب تھا۔

✍جواب2۔ غالب کی پیدائش 1992 میں ہوئی۔

✍جواب3۔ غالب کی وفات کے 1869 میں ہوئی

✍جواب4۔ غالب کے خط لکھنے کا انداز سادہ اور سلیس تھا۔

✍जवाब1.ग़ालिब का पूरा नाम असद उल्लाह खां ग़ालिब था,

✍जवाब2. ग़ालिब की पैदाइश 1792 में हुई|

✍जवाब3.ग़ालिब की वफ़ात 1869 में हुई |

✍जवाब4.ग़ालिब के ख़त लिखने का अंदाज़ सादा और दोस्ताना था |

گھر کا کام......مشق

✍سوال1.. خط کیا ہے؟

✍سوال2۔ خط کس نے ڈالا جاتا ہے؟

✍سوال3۔ خط کو گھر گھر کون پہنچاتا ہے؟

✍सवाल 1.ख़त क्या है?

✍सवाल 2. ख़त को किस्में डाला जाता है?

✍सवाल3. ख़त को घर घर कौन पहुँचता है?

नोट:-👉 मिर्ज़ा तफता ग़ालिब के दोस्त और मीर मेंहदी मजरूह ग़ालिब के शागिर्द थे |

9458278429
Made by- तस्लीम जँहा

विषय-उर्दू पाठ-ग़ालिब के खतूत प्रकरण- ग़ालिब के खतूत की जानकारी कक्षा 8th

मिशन शिक्षण संवाद

क्रमांक1

غالب کا تعارف

بچوں آج ہم اردو کے ایک عظیم شاعر کے بارے میں جانکاری حاصل کریں گے غالب کا پورا نام مرزا اسداللہ خاں غالب تھا ان کی پیدائش 1792ء میں ہوئی اور ان کی وفات 1869ء میں ہوئی.. غالب ایک بڑے شاعر ہی نہیں بلکہ ایک ایسے نثر نگار بھی تھے جن کا ثانی کوئی نہ تھا. غالب نے اردو میں خط لکھنے کا ایک انوکھا انداز نکالا. ان کے خطوط میں بڑی روانی اور بے تکلفی پائی جاتی ہے. ان کے خطوط کو پڑھ کر ایسا معلوم ہوتا ہے کہ جیسے دو شخص آمنے سامنے بیٹھے آپس میں باتیں کر رہے ہیں. غالب کے خطوط کی اردو ادب میں بڑی اہمیت ہے.........

ग़ालिब तस्वीर के आईने में

ग़ालिब का तआरुफ

बच्चों आज हम उर्दू के एक अजीम शायर के बारे में जानकारी हासिल करेंगे। ग़ालिब का पूरा नाम मिर्ज़ा असदुल्ला खां ग़ालिब था। इनकी पैदाइश 1792ई.मे हुई और इनकी वफात 1869ई.मे हुई। ग़ालिब एक बड़े शायर ही नहीं बल्कि एक ऐसे नसर निगार भी थे, जिन का सानी कोई न था। ग़ालिब ने उर्दू मे खत लिखने का एक अनोखा अन्दाज़ निकाला। इनके खतूत मे बडी रवानी और बे तकल्लुफी पायी जाती है। इनके खतो को पढकर ऐसा मालूम होता है कि जैसे दो शख्स आमने सामने बैठे आपस में बातें कर रहे हों। ग़ालिब के खतूत की उर्दू अदब मे बडी एहमियत है।

الفاظ. معنی

الفاظ	معنی
انداز	طریقہ
خطوط.	خط کی جمع
محبت.	لگاؤ
بیتکللفی.	بے جھجھک
مکمل.	پورا
سیکڑوں.	لاتعداد
چھیتے.	جان سے زیادہ عزیز
اندازہ.	علم

शब्द अर्थ

शब्द	अर्थ
अन्दाज़	तरीका
खतूत	खत की जमा
मुहब्बत	लगाव
बेतकल्लुफी	बेझिझक
मुकम्मल	पूरा
सैंकड़ों	लातादाद
चहीते	जान से जयादा
अजीज	
अन्दाजा	इल्म

खत का अर्थ

बच्चों पुराने समय में मोबाइल आदि का चलन नही था। लोग एक दूसरे की खैरियत लेने की वजह से मोटे कागज पर पैन से अपना हाल लिखकर एक लाल बॉक्स मे डाल देते थे। ये बॉक्स आज भी सडको पर लगे हैं क्योंकि जमाने मे दूरसंचार सेवाओ का अधिक प्रयोग हो रहा है इसलिये आज कल खत का प्रयोग कम हो गया है। बच्चो अगली बार हम आप को बतायेंगे कि ये खत कौन लाता था? सोचो सोचो?

प्रशन के उत्तर दीजिये

1गालिब का पूरा नाम क्या है?
2गालिब की पैदाइश का सन् लिखिये?
3गालिब की वफात कब हुई?
4गालिब के खतूत को पढकर कैसा महसूस होता है?

سوال کے جواب دیجئے

1 غالب کا پورا نام کیا تھا ؟
2 غالب کی پیدائش کا سن لکھو ؟
3 غالب کی وفات کب ہوئی ؟
4 غالب کے خطوط کو پڑھ کر کیسا محسوس ہوتا ہے ؟

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- तसलीम जहाँ कम्पोजिट स्कूल दुर्वेशपुर परीक्षित गढ मेरठ

लिफाफा बनाना

गतिविधि/ سرگرمی

बच्चों आज हम वो लिफाफा बनायेगे जिसमे खत लिखकर रखते हैं और फिर उसपर पता लिखकर लेटर बॉक्स मे डाला जाता है।

बच्चों नीचे तीन तस्वीरें दी गयी हैं। आप को इन तस्वीरों को देखते हुए लिफाफा बनाना है।

नं. 1

नं. 2

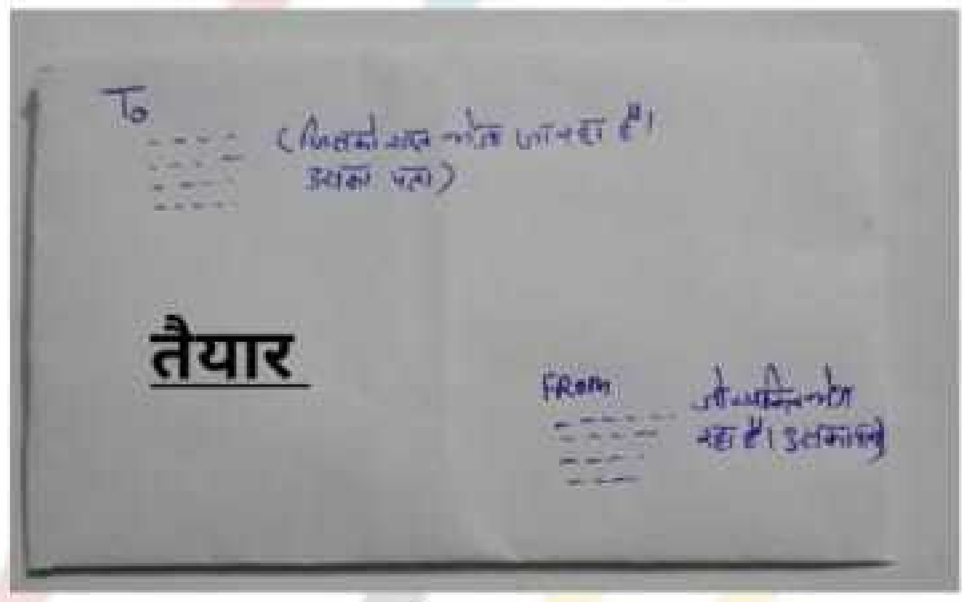

नं. 3

1☝ पहले कटिंग करते हैं।
2☝ कटिंग करने के बाद गोंद से लिफाफे को चिपकाते है।
3☝ जब लिफाफा तैयार हो जाये। तब उसमे लिखा पत्र रखकर उसे गोंद से चिपकाकर पता लिख देते हैं।
इतना सब कुछ करने के बाद लिफाफे को लेटर बॉक्स मे डाल देते हैं।

लेटर बॉक्स

قواعد

بچوں آپ نے اس سے قبل آپ نے قواعد میں جملہ, مزکر اور مونث کے متعلق پڑھا. آج ہم کلمے کی قسموں کے بارے میں پڑھیں گے.
کلمے کی چھ قسمیں ہوتی ہیں.
1اسم 2ضمیر 3صفت 4فیل 5حرف 6تمیز

اسم کی تعریف

اسم وہ کلمہ ہے جو کسی چیز. جگہ یا جاندار کے نام کو کہتے ہیں.

جیسے

موہن. آگرہ وغیرہ

व्याकरण

बच्चों आपने इससे पहले व्याकरण मे पढ़ा कि वाक्य, स्त्रीलिंग और पुल्लिंग क्या होता है। आज हम इस्म के बारे में जानकारी हासिल करेंगे।
बच्चों कल्में की छ:किस्में होती हैं।
1इस्म 2 ज़मीर 3 सिफ्त 4फेल 5हर्फ 6तमीज़

इस्म की परिभाषा

इस्म वह कल्मा है, जो किसी वस्तु, स्थान या किसी जान्दार के नाम को कहते हैं।

जैसे

मोहन, आगरा आदि

नोट -सभी छात्र इस्म की तारीफ को याद करके उसे सफाई से कॉपी पर लिखेंगे।

سبھی بچے سادے پیپر کا ایک لفافا بنائیں گے

लिफाफा बनाने के लिए सामग्री -गोंद, प्लेन पेपर, क़ैंची, स्केल, और पेंसिल

मिशन शिक्षण संवाद

Once a year, Rehman, for that was the Kabuliwallah's name, would go back to his own country. He would first collect all the money that people owed him before he left. Although Rehman was busy, he always found time to visit little Mini.

One day there was a lot of noise in the street. Rehman had stabbed a man who owed him money. For this crime he was sent to prison.

हिन्दी अनुवाद

साल में एक बार रहमान (काबुलीवाला) अपने देश वापस जाता था। जाने से पहले, उससे जिन लोगों ने उधार लिया होता था, वह उनसे पैसा इकट्ठा करता था। रहमान व्यस्त होते हुए भी हमेशा मिनी से मिलने का समय ढूँढ लेता था।एक दिन गली में बहुत शोर मचा हुआ था। जिस आदमी से रहमान को पैसा लेना था, रहमान ने उसे छुरा घोंप दिया था। इस अपराध के लिए उसे जेल भेज दिया गया।

Exercise

Q.1- Why was the Kabuliwallah arrested?

Q.2- Where did Rehman go once a year?

Q.3- What is the meaning of Stabbed and Prison?

Q.4- Put a suitable word in each blank to match the part of speech indicated in the bracket:

(a)- Mrs. Verma took______son to school. (Pronoun)

(b)- The child has a flower_______his hand. (Preposition)

(c)- The_______soldier fought for his country. (Adjective)

(d)- He always did his work very______. (Adverb)

शब्दार्थ

collect	इकट्ठा करना
owed	कर्ज लेते थे
left	चला गया
a lot of	बहुत अधिक
stabbed	चाकू मार दिया
crime	अपराध
prison	जेल/कैद
Street	गली

Answer Sheet -08

Ans.1- Mini had thought that Kabuliwallahs caught children, put them in his sack and took them away. So, she was afraid of the Kabuliwallah.

Ans.2- Rehman was the name of Kabuliwallah.

Ans.3- Terror- आतंक, Tenderly- कोमलता से.

Ans.4- (√)

मिशन शिक्षण संवाद

Mini called out to the Kabuliwallah but when he looked at her, she was in terror and ran to her father. She had heard that Kabuliwallahs caught children, put them in their sacks and took them away. The Kabuli-wallah came to Mini's house and her father made sure that Mini came out and met him. Soon Mini lost her fear of him and it was a joy to watch the big bearded Pathan talking tenderly to the little five-year-old.

The Kabuliwallah was now a daily visitor to Mini's house. They would sit and chat for hours and crack jokes with each other. Once a year, Rehman, for that was the Kabuliwallah's name, would go back to his own country. He would first collect all the money that people owed him before he left. Although Rehman was busy, he always found time to visit little Mini.

शब्दार्थ

Terror-आतंक,
Sack-बोरा,
Watch-पहरेदार,
Bearded- दाढ़ीवाला,
Tenderly-कोमलता से, प्रेम से,
Visitor-मिलने वाला, दर्शक, पर्यटक,
Chat- गपशप,
Crack jokes- चुटकुले सुनाना

हिन्दी अनुवाद- मिनी ने काबुलीवाला को बुलाया परन्तु जब उसने मिनी की तरफ देखा, वह डर रही थी और अपने पिता की तरफ भागी। उसने सुन रखा था कि काबुलीवाले बच्चों को पकड़ते थे, अपने बोरों में भरते थे और उन्हें ले जाते थे। काबुलीवाला मिनी के घर आया और उसके पिताजी ने ठान लिया कि मिनी बाहर आए और उससे मिले। जल्द ही मिनी का डर चला गया और बहुत अच्छा लगता था एक बड़े दाढ़ीवाले पठान को एक पाँच साल की छोटी बच्ची से कोमलता से बातें करते देखना।

अब काबुलीवाला मिनी के घर में रोज़ आने लगा। वे दोनों बैठते और घंटो बाते करते और एक-दूसरे को चुटकुले सुनाते थे।

Exercise

Q.1- Why was Mini afraid of the Kabuliwallah?
Q.2- What is the name of Kabuli wallah?
Q.3- What is the meaning of 'Terror and Tenderly'?
Q.4- Tick (√) for the correct statement and cross(×) for the wrong statement:
(a). Rehman was a big bearded pathan. ( )

Answer Sheet

Ans.1- बातूनी
Ans.2- Mini was five years old little girl.
Ans.3- Mini was called a chatterbox because she could not live without chatting all the time.
Ans.4- (√)

मिशन शिक्षण संवाद

Little Mini was five years old and a great chatterbox. She simply could not live without chatting all the time. Her mother was often worried about this non stop talking of Mini, and tried to silence her. Her conversation with her father was always very lively.

One day, Mini burst into her father's study room. She put her arm around him and said, "What do you think, Father? Bhola says there is an elephant in the clouds who blows water out of its trunk and that is why it rains!". Before her father could reply she ran to the window, "Ae Kabuliwallah! Ae Kabuliwallah!"

शब्दार्थ- Called - पुकारना, chatterbox – बातूनी, great- महान, Simply- आसानी से, Often- अक्सर, Conversation- बातचीत, Burst- अचानक घुसना, Clouds- बादल, Blows- झोंका, बहना, Trunk- तना, ।

हिन्दी अनुवाद- मिनी पाँच साल की छोटी बच्ची थी और बहुत बातूनी थी। वह हर समय बिना बातें किए नहीं रह सकती थी। उसकी माँ मिनी के लगातार बोलते रहने पर अक्सर चिंता करती थीं और उसे चुप कराने का प्रयत्न भी करती थीं। उसकी (मिनी) अपने पिता से हमेशा बड़ी रोचक बातचीत होती थी।

एक दिन, मिनी अपने पिता के अध्ययन कक्ष में चली गई। उसने अपनी बाँहों में अपने पिता को पकड़कर कहा,

आप क्या मानते हैं, पिताजी? भोलू कहता है कि बादलों में एक हाथी है जो अपनी सूंड से पानी फेंकता है और इसलिए वर्षा होती है। उसके पिता के उत्तर देने से पहले ही वह खिड़की की ओर दौड़ी, "ऐ काबुलीवाला! ऐ काबुलीवाला!"

-Adopted from the story 'Kabuliwallah' by Gurudev Rabindranath Tagore

Exercise

Q.1- What is the meaning of chatterbox?

Q.2- Who is mini?

Q.3- Why was Mini called a chatterbox?

Q.4- Tick(√) for the correct statement and cross(×) for the wrong statement:

(a)- Mini could not live without chatting all the time. ( )

Answer Sheet

Underline the common nouns and circle the Proper Nouns.

1 The ~house~ is on (Kings Street.)

2 (Doyle) played with her ~brother~ .

3 (Frank) went to (Sainsbury Store) last (Saturday.)

4 He rides (bicycle) very carefully.

5 (Lahore Boulevard) is a busy ~street~ .

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- S.PGautamKGBVKurara(Hamirpur)
Upasna Tyagi

विषय- **कंप्यूटर** पाठ- **कंप्यूटर** कक्षा-UPS

प्रकरण- **कंप्यूटर के प्रकार** क्रमांक- **4**

मिशन शिक्षण संवाद

आकार एवं कार्य के आधार पर कंप्यूटर का विभाजन

. माइक्रो कम्प्यूटर (Micro Computer)
यह कम्प्यूटर आकार में छोटे होते है एवं कम गति से कार्य करते हैं। इन्हें पर्सनल कम्प्यूटर कहते हैं। इस कम्प्यूटर में माइक्रो प्रोसेसर का प्रयोग किया जाता है। इसमें एक सी.पी.यू., एक मॉनीटर, की-बोर्ड एवं एक माउस लगा होता है।

2. मिनी कम्प्यूटर (Mini Computer)
यह माइक्रो कम्प्यूटर से बड़ा तथा अधिक क्षमता का होता है और माइक्रोकम्प्यूटर की तुलना में अधिक तेजी से कार्य करता है इनकी संग्रहण क्षमता भी अधिक होती है।

3. मेनफ्रेम कम्प्यूटर (Mainframe Computer)
यह कम्प्यूटर आकार में माइक्रो एवं मिनी कम्प्यूटर से बड़ा होता है। ये अति उच्च संग्रह क्षमता वाले बहुत बड़े कम्प्यूटर होते हैं। इनका प्रयोग बैंकों, बड़ी कम्पनियों एवं सरकारी विभागों में होता है।

4. सुपर कम्प्यूटर (Super computer)
ये कम्यूटर सबसे बड़े आकार के होते हैं। यह कम्प्यूटर तेज गति एवं अत्यधिक संग्रह क्षमता वाले होते हैं। सुपर कम्प्यूटर में अनेक सी.पी.यू. होते हैं। भारत का पहला सुपर कम्प्यूटर परम-1000 है।

कम्प्यूटर के प्रकार

गृहकार्य

प्र.1 आकर एवम् कार्य के आधार पर कंप्यूटर के कितने प्रकार होते हैं?

प्र2. माइक्रो कंप्यूटर को और किस नाम से जाना जाता है?

प्र3. भारत के पहले सुपर कंप्यूटर का क्या नाम है?

उत्तरमाला (क्रमांक 3)

उ1. तीन प्रकार के।

उ2. डिजिटल कंप्यूटर में बाइनरी अंकों (0, 1) का प्रयोग होता है।

उ3. हाइब्रिड कंप्यूटर एनालॉग और डिजिटल कंप्यूटर का कॉम्बिनेशन होता है।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- भारती मांगलिक, बुलदशहर

हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर

कम्प्यूटर को मुख्यत: दो भागों में विभाजित किया जा सकता है -

1. हार्डवेयर 2. सॉफ्टवेयर

हार्डवेयर

कम्प्यूटर के वे सभी पाटर्स जिन्हें हम हाथों से छू सकते हैं व देख सकते हैं उन्हें हार्डवेयर कहते हैं। ये कम्प्यूटर के यांत्रिक तथा इलेक्ट्रॉनिक भाग हो सकते हैं।

जैसे मॉनीटर, सी.पी.यू., स्पीकर, की-बोर्ड, प्रिंटर, स्कैनर आदि को हार्डवेयर कहते हैं।

कम्प्यूटर में निम्नलिखित हार्डवेयर का प्रयोग करते हैं।

* इनपुट डिवाइस * आउटपुट डिवाइस * सेन्ट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (सी.पी.यू.)

1. इनपुट डिवाइस:--

कम्प्यूटर में जिन डिवाइसों द्वारा निर्देश एवं डाटा को उपलब्ध कराया जाता है उन्हें इनपुट डिवाइस कहते हैं। जैसे - की-बोर्ड, माउस, स्कैनर, टच स्क्रीन, वेब कैमरा, लाइटपेन आदि।

2. आउटपुट डिवाइस:--

कम्प्यूटर में वे डिवाइस जिनके माध्यम से कम्प्यूटर सिस्टम से सूचना या रिजल्ट को हार्ड्डकापी के रूप में (प्रिंटर पर) या सॉफ्टकॉपी के रूप में (मॉनीटर पर) प्रदान करती हैं। जैसे-मॉनीटर, प्रिन्टर, स्पीकर, मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर्स आदि।

3. सेन्ट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (सी.पी.यू.):--.

सी.पी.यू. कम्प्यूटर का मस्तिष्क होता है जिस प्रकार मनुष्य प्राप्त आँकड़ों का अपने मतिष्क में प्रोसेस करता है उसी प्रकार सी.पी.यू. इनपुट किये गये डेटा को प्रोसेसिंग करके उसका निष्कर्ष आउटपुट डिवाइस पर दे देता है।

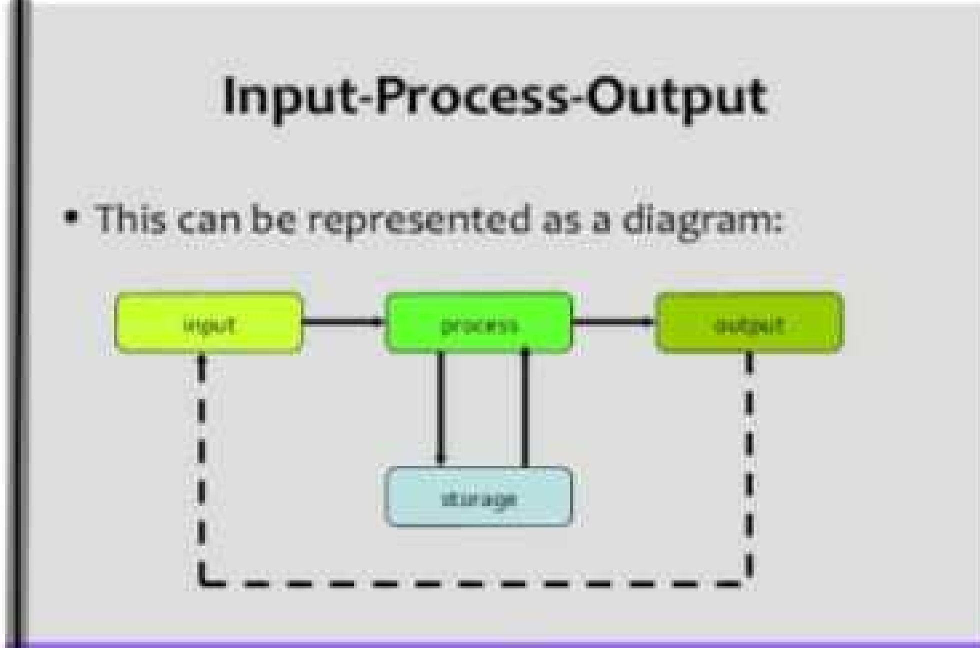

गृहकार्य

सही कथन के सामने सही (✓) तथा गलत के सामने गलत (X) का चिन्ह लगाए—

(क) प्रिन्टर कम्प्यूटर का इनपुट यन्त्र है।

(ख) विभिन्न प्रोग्राम कम्प्यूटर सॉफ्वेयर कहलाते हैं।

(ग) माउस कम्प्यूटर का इनपुट यन्त्र है।

(घ) सी.पी.यू. कम्प्यूटर का मस्तिष्क होता है।

उत्तरमाला (क्रमांक-4)

उ.1 4 प्रकार

उ.2 पर्सनल कम्प्यूटर

उ.3 परम-1000

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- भारती मांगलिक बुलदशहर

स्वास्थ्य सम्बन्धी भ्रान्तियाँ दूर करें
ऐसा सोचना गलत है कि-
मोटा होना अच्छे स्वास्थ्य का सूचक है।
अच्छे स्वास्थ्य के लिए मँहगे फल खाना जरूरी है।
पोलियो ड्रॉप पीने से बुखार आ जाता है।
लड़कियों को खेलकूद में भाग नहीं लेना चाहिए।
सफेद दाग (ल्यूकोडर्मा) के रोगी के पास नहीं बैठना चाहिए।
चेचक निकलने पर झाड़फूँक कराना चाहिए।

इसे भी जानें

जानें और दूसरों को बताएँ
स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक है कि हम रूढ़ियों को न मानें। रोगों को दूर करने के लिए डॉक्टर की सलाह लें।
पोलियो जैसी खतरनाक बीमारी को समूल नष्ट करने के लिए समय-समय पर बच्चों को पोलियो की खुराक निश्चित रूप से पिलवाएँ।
मानसिक रोगों से बचाव के लिए झाड़फूँक के चक्कर में न पड़कर मानसिक चिकित्सक से इलाज कराएँ।
शारीरिक और मानसिक विकास के लिये लड़के-लड़कियों को समान रूप से खेलों में भाग लेना चाहिये तथा योगासन और प्राणायाम करना चाहिए।
कृमि संक्रमण एवं एनीमिया से बच्चों का शारीरिक एवं बौद्धिक विकास प्रभावित होता है।
कृमि नियंत्रण के लिए एल्बेंडजॉल की दवा दी जाती है। कृमि नियंत्रण की दवाई खाने के साथ-साथ कृमि संक्रमण को रोकने के लिए नाखून छोटे रखें, हमेशा साफ पानी पिएँ, सब्ज़ियों एवं फलों को साफ पानी से धोएँ, खुले में शौच न करें एवं पैरों में जूते व चप्पल पहनें।

उत्तरमाला पेज - 7

1. खाना खाने से पहले हमें अपने हाथ साबुन से धोने चाहिए।
2. खाना समय से खाना चाहिए।
खाना खाने से पहले हाथों को साबुन से धोना चाहिए।
साफ़ जल ही पीना चाहिए।
सुबह को व्यायाम करना चाहिए।
3. टहलना चाहिए और व्यायाम करना चाहिए।

अभ्यास प्रश्न

1. पोलियो जैसी खतरनाक बीमारी से बचने के लिए हमें क्या करना चाहिए?
2. कृमि संक्रमण रोकने के लिए हमें क्या उपाय करना चाहिए?
3. स्वस्थ रहने के लिए क्या करना चाहिए?

आज हम विकारी व अवकारी शब्दों के बारे में जानेंगें।

प्रयोग के आधार पर शब्दों का वर्गीकरण प्रयोग के आधार पर शब्दों को दो भागों में विभक्त किया गया है-

1. विकारी शब्द (Declinable Words)- उपयोग करते समय जिन शब्दों में कुछ परिवर्तन आ जाता है, उन्हें
*विकारी शब्द' कहते हैं। यह परिवर्तन शब्दों का विकार कहलाता है। यह विकार लिंग, वचन अथवा कारक के प्रभाव से
उत्पन्न होता है; जैसे-लड़का, लड़के, लड़कियाँ, मेरा, मेरी, मेरे आदि। विकारी शब्द निम्नलिखित चार प्रकार के होते हैं-(1) संज्ञा, (2) सर्वनाम, (3) विशेषण. (4) क्रिया।
2. अविकारी शब्द (Indeclinable Words) - जिन शब्दों के रूप में किसी भी कारण से परिवर्तन नहीं आता,
अविकारी शब्द' कहलाते हैं; जैसे-किन्तु. परन्तु. यहाँ, वहाँ आदि। अविकारी शब्दों के चार भेद हैं-क्रियाविशेषण, समुच्चयबोधक, संबंधबोधक, विस्मयादिबोधक।

याद रखिए-
1. वर्ग या वर्णों का ऐसे समूह, जिसका कोई अर्थ होता है उसे 'शब्द' कहते हैं।
2. शब्दों के भेद चार आधारों पर किए गए हैं-
(क) अर्थ के आधार पर, (ख) रचना के आधार पर (ग) उत्पत्ति के आधार पर (घ) प्रयोग के आधार पर

गृहकार्य-

क-विकारी व अविकारी शब्दों की परिभाषा याद करके लिखें।
ख-विकारी शब्दों के भेद लिखें।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kgbv kasganj

मिशन शिक्षण संवाद

आओ बच्चों कागज मोडकर नाव बनायें।

मैंने सुन्दर चित्र बनाकर अपनी नाव को सजाया है आप भी अपना मनपसंद चित्र बनाकर नाव सजायें।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नीरा चौहान प्र०वि०फुगाना-2,मुजफ्फरनगर
9458278429

कैसे स्वस्थ रहें -

हमारा स्वास्थ्य हमारे रहन-सहन के ढंग पर निर्भर करता है। यदि हम अपने दैनिक जीवन में स्वास्थ्य-सुरक्षा के नियमों का पालन करते हैं तो निश्चय ही हमारा स्वास्थ्य अच्छा होगा। स्वास्थ्य का स्वच्छता एवं नियमित जीवनयापन से घनिष्ठ सम्बन्ध है। रोगरहित एवं स्वस्थ रहने के लिए निम्नलिखित बिन्दुओं को ध्यान में रखें-

- बाजार की खुली हुई खाने की वस्तुएँ न खाएँ। ये वस्तुएँ धूल जमने एवं मक्खियों के बैठने से दूषित हो जाती हैं।
- शौचालय का प्रयोग करें।
- शौच के बाद हाथ साबुन से अवश्य धोएँ।
- खाना खाने के पहले हाथ साबुन से धोएँ।
- बासी भोजन न करें।
- गन्दे स्थानों पर नंगे पैर न घूमें। इससे सूक्ष्म रोगाणु शरीर में प्रवेश करके रोग पैदा कर देते हैं।
- शरीर को अच्छी तरह से साफ करें जिससे त्वचा के रोम छिद्र खुल जाए।
- स्नान के बाद सूखे कपड़े से शरीर को अवश्य पोछें।
- सड़े हुए एवं देर से कटे व खुले रखे हुए फल न खाएँ।
- नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करें।
- अपने दाँत, आँख, कान, नाक, नाखून, त्वचा, वस्त्र आदि की नियमित सफाई करें।
- सायंकालीन भोजन करने के बाद दाँतों की सफाई अवश्य करें।
- घर एवं आस-पास की नियमित सफाई करें। विद्यालय में खेल के मैदान को भी साफ-सुथरा रखें।
- प्रतिदिन शारीरिक व्यायाम करें जैसे-खेलना, दौड़ना, तैरना, योगासन एवं प्राणायाम आदि।

विद्यालय के चारों ओर एवं घर के आस-पास पेड़-पौधे लगवाएँ जिससे वहाँ का वातावरण शुद्ध एवं स्वास्थ्यवर्धक हो सके।

उत्तरमाला पेज - 6

1. खाना खाने से पहले हमें अपने हाथ साबुन से धोने चाहिए।
2. खाना समय से खाना चाहिए।
खाना खाने से पहले हाथों को साबुन से धोना चाहिए।
साफ़ जल ही पीना चाहिए।
सुबह को व्यायाम करना चाहिए।
3. टहलना चाहिए और व्यायाम करना चाहिए।

अभ्यास प्रश्न

1. अच्छे स्वास्थ्य के लक्षण क्या हैं?
2. बाजार की खुली हुई वस्तुओं को खाने से हमारे शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है?
3. गंदे स्थानों पर नंगे पैर क्यों नहीं घूमना चाहिए?
4. विद्यालय के चारों ओर एवं घर के आस-पास क्या लगाना चाहिए?

विषय- **पर्यावरण** पाठ- जल संचयन एवं पुनर्भरण प्रकरण- जल संचयन की आवश्यकता कक्षा - जूनियर क्रमांक-07

मिशन शिक्षण संवाद

पृथ्वी पर जल की उपलब्धता

पृथ्वी पर तीन चौथाई भाग जल है इसमें से 97% जल समुद्र में पाया जाता है। समुद्र का जल खारा होने के कारण न पी सकते हैं और न सिंचाई में उपयोग कर सकते हैं केवल 3% जल जो भूमि के अन्दर(भू-जल) और भू-सतही जल (नदियों, तालाबों, पोखरों) का जल हम उपयोग कर सकते हैं।

पृथ्वी पर भू-जल की स्थिति

भू-जल की कमी के कारण

1- जनसंख्या बढ़ने के कारण जल की मांग भी बढ़ रही है।
2- वर्षा कम होने से भूमि के अन्दर कम जल जा रहा है
3- सिंचाई एवं उद्योगों के लिये मशीनों द्वारा अत्यधिक जल का उपयोग ।
4- वर्षा के जल को इकट्ठा न करने से ।
5- सूखे तालाबों, कुओं आदि में पुनः पानी न भरने से ।

जल संचयन एवं पुनर्भरण

वर्षा का जल धीरे-धीरे रिस-रिस कर जो धरती के अन्दर जाता है इसे प्राकृतिक पुनर्भरण कहते हैं तालाब, पोखर एवं बांध बना कर जब वर्षा के जल को रोककर रखते हैं तो इसे संचयन कहते हैं।

वर्षा जल संचयन की आवश्यकता

1- गिरते हुए भू-जल स्तर को नियंत्रित करने के लिए
2-भू-जल प्रदूषण को कम करने के लिए।
3-भू-जल स्तर की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए।
4-सूखाग्रस्त क्षेत्रों में जल की पूर्ति के लिए।
5- जल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए।

कुछ और भी जाने।

1- मनुष्य भोजन के बिना कई सप्ताह तक जीवित रह सकता है पर.जल के बिना केवल 6 दिन ।
2- मनुष्य के शरीर का 70% भाग जल है।
3- विश्व जल दिवस 22.मार्च को मनाया जाता है।
4- भारत की जलनीति 1987 में बनाई गई 2002 में इसकी घोषणा की गई।
5- राष्ट्रीय जलनीति में जल को दुर्लभ एवं बहुमूल्य राष्ट्रीय संसाधन माना गया है।

गृह कार्य

मिलान करिए

उपयोगी जल	70%
समुन्द्री जल	3%
विश्व जल दिवस	1987
भारत जल नीति	22 मार्च

खाली जगह भरिये

(क) वर्षा के जल का रिस-रिस कर अन्दर जाना________।
(ख) तालाब, पोखर एवं बांध में वर्षा के जल को रोककर रखना______।

उत्तरमाला क्रमांक-06

1- कुआँ, नलकूप
2- नदी, तालाब, झील
3- खारा
4-ठोस
5-70

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- शबनम तौक़ीर(लखनऊ),शीला सिंह(ग़ाज़ीपुर) 9458278429

विषय- कला **पाठ-** पैंगविन **कक्षा -**UPS

प्रकरण- शिल्पकला **क्रमांक -**

मिशन शिक्षण संवाद

आओ बच्चों ,आइसक्रीम स्टिक और कार्ड बोर्ड से पैंगविन बनायें।

कुछ ऐसे बनाने का भी प्रयास करें।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नीरा चौहान प्र०वि०फुगाना–2,मुजफ्फरनगर

जल : संसाधन के रूप में विभिन्न प्राकृतिक संसाधनों में जल एक प्रमुख संसाधन है।सभी जीवधारियों के जीवन के लिए जल बहुत ही महत्वपूर्ण है एवं आवश्यक है, इसीलिए कहते हैं "जल ही जीवन" है।प्रकृति मे जल तीन रूपों में मिलता है-
1- ठोस(बर्फ) 2- द्रव(पानी) 3- गैस(भाप)

जल के स्रोत- जल के स्रोतों को मुख्यतः तीन भागों में बांट सकते हैं-

1-धरातलीय स्रोत- पृथ्वी की सतह से प्राप्त होने वाला जल धरातलीय स्रोत के अन्तर्गत आता है, जैसे समुद्र, नदियों, तालाब, झीलें आदि। **पृथ्वी पर उपस्थित समस्त जल का 97%भाग खारे समुद्री जल के रूप में है,यह घुलित लवणो के कारण खारा और न पीने योग्य है। केवल 0.6%जल ही नदियों, तालाबों और झीलों में पाया जाता है।**

2-भूमिगत स्रोत धरातलीय पर पाये जाने वाले जल का कुछ भाग रिस-रिस कर भूमि के नीचे एकत्र हो जाता है, इसे ही भूमिगत जल कहते हैं ।इस जल को कुओं, हैण्डपम्पों, नलकूपों से प्राप्त किया जाता है।

3- हिमनद पृथ्वी पर उपस्थित कुल जलभंडार का 24% भाग हिमनद और ध्रुवीय बर्फ के रूप मे पाया जाता है। यही बर्फ पिघल कर नदियों में मिलती है ।

जल के उपयोग

● कृषि और बागवानी में- फसल अनाजों, सब्जियों, फलों को उगाने और वृद्धि के लिए जल जरूरी है ।जल का कुल उपयोग की 70% मात्रा केवल सिंचाई में प्रयुक्त होती है।

● उद्योगों - उद्योगों में जल का प्रयोग बहुत अधिक होता है।जल से विद्युत उत्पादन भी होता है।जल शीतलक के रूप में, वस्तुओं को धोने, घोलने आदि मे प्रयोग होता है।

● घरेलू कामों में- हमारे दैनिक जीवन में जल पीने, नहाने-धोने, खाना बनाने, वस्तुओं को साफ करने आदि में।

● मनोरंजन में- वाटर पार्क, झरने, झीलें आदि का मनोरंजन के लिए।
● साफ- सफाई -परिवेश एवं पालतू जानवरों के साफ-सफाई में।

अभ्यास कार्य

1- भूमिगत जल स्रोत हैं-(1)____(2)______
2- धरातलीय स्रोत के अन्तर्गत _____, ______, और ______आदि हैं
3- समुद्र का जल पीने योग्य नहीं क्यों वह_______है।
4- पहाडों पर जमी बर्फ जल का_______रूप है।
5-जल के उपयोग का सबसे अधिक ______प्रतिशत मात्रा कृषि मे प्रयुक्त होता है।

उत्तर माला पेज -5

1- मना करना 2- पुन:चक्रण करना
3- स्वास्थ्य एवं स्वच्छता 4- सूखा कचरा
5-गीला कचरा 6-धूम्र अवक्षेपक

विषय- चित्रकला पाठ- हंस कक्षा -UPS

प्रकरण- चित्रण व रंग क्रमांक-

मिशन शिक्षण संवाद

आओ बच्चों हंस बनायेंऔर रंग भरें।

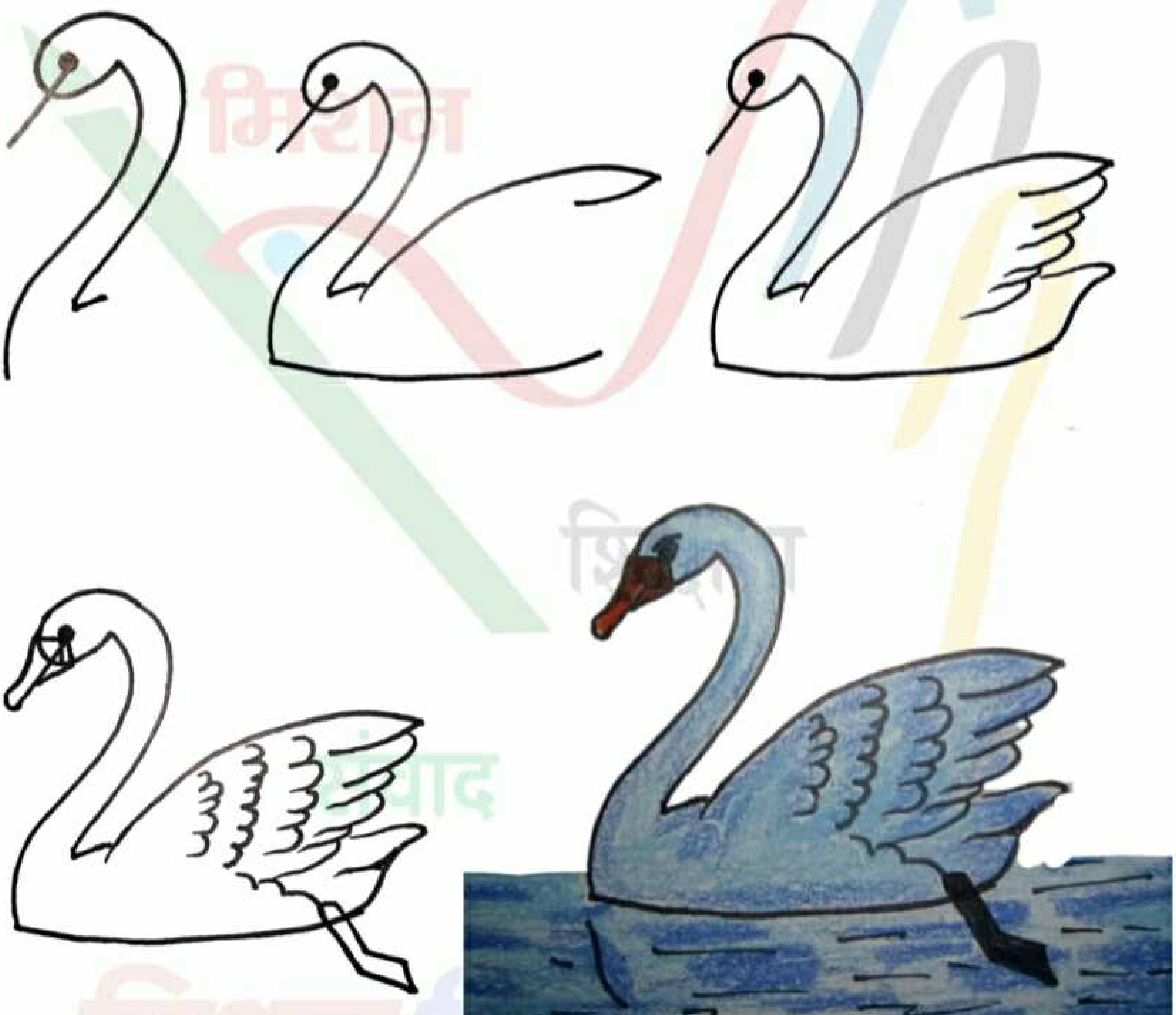

सिर्फ अंतिम चित्र अपनी कॉपी पर बनाना है।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नीरा चौहान प्रा०वि०फुगाना-2 मुजफ्फरनगर

कम्प्यूटर के प्रकार

एप्लीकेशन के आधार पर कम्प्यूटर तीन प्रकार का होता है

एनालॉग कम्प्यूटर (ANALOG COMPUTER)–
ये कम्प्यूटर भौतिक राशियों के किसी सतत परिवर्तित गुण के मापन के आधार पर कार्य करते हैं।

डिजिटल कम्प्यूटर (DIGITAL COMPUTER)
ये कम्प्यूटर द्विधारी (बाइनरी) अंकों का उपयोग करते हैं। अधिकांशत: कम्प्यूटर डिजिटल कम्प्यूटर ही होते हैं।

हाईब्रिड कम्प्यूटर (HYBRID COMPUTER)
ये कम्प्यूटर एनालॉग एवं डिजिटल कम्प्यूटर दोनों का कॉम्बिनेशन होता है।

गृह कार्य

प्र०1: एप्लिकेशन के आधार पर कंप्यूटर कितने प्रकार के होते हैं?
प्र०2: डिजिटल कंप्यूटर किस प्रकार के अंकों का प्रयोग करते हैं?
प्र०3: हाइब्रिड कंप्यूटर किस कहते हैं?

उत्तर माला (क्रमांक - 2)

उ०1: अबेकस को पहला कंप्यूटर माना जाता है।
उ०2: 17 वी शताब्दी में आविष्कार किए गए मशीन में मेमोरी डाली गई थी।
उ०3: प्रथम इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटर का नाम ENIAC है।
उ०4: इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटर के विकास को 5 जेनरेशन में बाटा गया।

हमारा स्वास्थ्य

आज स्कूल में डॉक्टर आयी थीं। विद्यालय में बच्चों के साथ-साथ उनके माता-पिता को भी बुलाया गया था। सभी बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच हो रही थी। बच्चों की बारी-बारी से जाँच करते हुए डॉक्टर कुछ स्वास्थ्य सम्बन्धी बातें बताती जा रही थीं जैसे-

1. समय से खाना खाकर सो जाया करो।
2. खाने से पहले साबुन से हाथ धोया करो।
3. दूषित जल मत पिया करो।
4. सुबह-सुबह टहलने जाया करो। योगाभ्यास किया करो।
5. नित्य स्नान किया करो।

सुमित ने कहा इन की बातें कौन सुने ? कुछ देर पश्चात् समूह में बैठी मीता ने डॉक्टर से पूछा-डॉक्टर जी ऐसी कोई दवा बताएँ जिससे मेरी बेटी शिवानी भी मोटी हो जाय। डॉक्टर अचंभित रह गयीं। फिर उन्होंने सभी बच्चों से एक साथ पूछा-क्या मोटा होना ही स्वस्थ होना है ? बच्चों में चुप्पी छा गयी। कुछ देर बाद एक कोने से आवाज आई-और क्या? मोटा होना ही तो स्वस्थ होना है। कुछ और बच्चों ने हाँ में हाँ मिलाई। किसी ने कहा-तेज दौड़ना स्वस्थ होना है तो किसी ने बताया कि खेलना।

डॉक्टर ने कहा-लेकिन स्वस्थ होने के लिए मोटा होना आवश्यक नहीं।

फिर हम कैसे जानें कि हम स्वस्थ हैं? कई बच्चों ने एक साथ पूछा। डॉक्टर ने कहा कि यदि तुम्हें कोई रोग नहीं है और लम्बाई के अनुपात में तुम्हारा वजन सही है तथा तुम अपने सभी कार्य बिना थके कर सकते हो, तो तुम स्वस्थ हो।

अभ्यास प्रश्न

1. खाने से पहले हमे क्या करना चाहिए?
2. डाक्टर ने हमें कौन-कौन सी बातें बताई?
3. सुबह जगने के बाद क्या करना चाहिए?

(समय से सोना)

(हाथों को धोना)

(व्यायाम करना)

मिशन शिक्षण संवाद

संचयन एवं पुनर्भरण की विधियाँ

1-पुनर्भरण पिट(गड्ढा)-

इसमें वर्षा जल को छतों से गड्ढे में इकट्ठा कर प्रयोग में लाया जाता है।शहरी क्षेत्रों के लिए यह बहुत उपयोगी है। सामान्यतः यह पिट 1 से 2 मीटर चौड़ा तथा 2 से 3 मीटर गहरा बनाया जाता है।पिट में सबसे नीचे तल में 5 से 20 सेमी बोल्डर/पत्थर के टुकड़े, उसके मध्य से 5 से 10 मीटर बजरी तथा बजरी के ऊपर मोटी रेत 1.5 से 2 मिमी भरी जाती है।वर्षा का जल मकान की छत से एक पाइप द्वारा छोटे पिट या गड्ढे के बालू पर गिरता है और छन कर साफ जल के रूप में टैंक में इकट्ठा होता है।

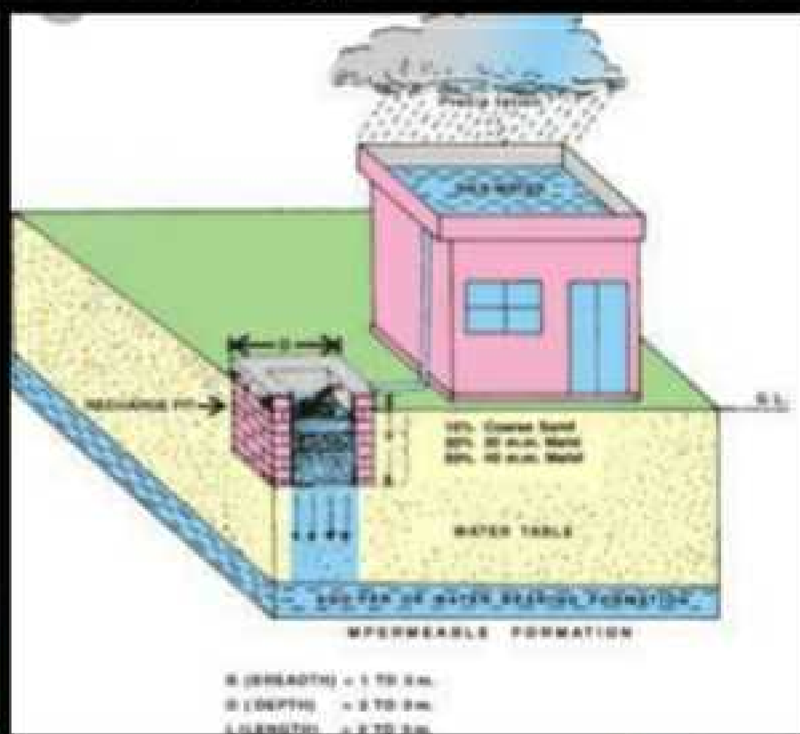

2- खाई द्वारा संचयन एवं पुनर्भरण

मकानों की छत से प्राप्त होने वाले वर्षा जल संचयन एवं पुनर्भरण के लिए खाई 0.5 से 1मीटर चौड़ी, 1 से 1.5 मीटर गहरी तथा 10 से 20 मीटर लम्बी हो सकती। छत का पानी पाइप द्वारा एक छोटे गड्ढे में गिरता है, इस गड्ढे में 5 से 20 सेमी पत्थर की गिट्टी,बीच मे 5 से 10 सेमी बजरी तथा सबसे ऊपर मोटी बालू भरा जाता है। गड्ढे से छनकर पानी खाई में इकट्ठा हो जाता है।

3-नलकूप द्वारा जल संचयन

1-नलकूपों के नीचे के जलाशय के पुनर्भरण के लिए छत के पानी को टी आकार के पाइप मे फिल्टर लगाकर छत का पानी नलकूप मे डाला जाता है।
2-छत के पानी पाइप द्वारा पहले पत्थर के टुकड़े,बजरी तथा मोटे बालू वाले गड्ढे से साफ कर नलकूप में डाला जाता है।

4-कन्टूर बांध द्वारा जल संचयन

कम वर्षा वाले स्थानों के लिए यह विधि उपयुक्त है।इस विधि से वर्षा का जल समान ऊँचाई वाले ढलान पर चारों तरफ बांध बनाकर रोका जाता है। मिट्टी के कटाव को रोकने और सिंचाई के लिए यह विधिबहुत प्रभावी है।

5-गैबियन बांध द्वारा वर्षा जल संचयन

पानी के बहते चौडे नाले के बीच पत्थर के बोल्डर डाल कर उसे लोहे की जाल से ढक देते हैं ।लोहे की जाल पत्थरों को बहने से रोकती है।यह बरसात मे व्यर्थ बह जाने वाले पानी को अधिक समय तक रोक कर भूमि के जल स्तर को बनाये रखने में मदद करता है ।

यह भी जानो-

- ढलानों और पहाड़ों पर छोटे नालों जिन्हें गली प्लग कहते हैं,द्वारा जल संचयन किया जाता है ।
- छोटी जलधाराओं पर चेकडैम का निर्माण कर जल संचयन होता है ।

6-पुनर्भरण कुओं द्वारा जल संचयन

चालू एवं बंद पड़े कुओं की सफाई के बाद पुनर्भरण के प्रयोग में लाया जाता है। पुनर्भरण जल कचरे रहित होना चाहिए और कुएँ में समय पर क्लोरीन डालनी चाहिए।

उत्तर माला पेज -7

(क) संचयन
(ख) पुनर्भरण
4-भारत जल नीति-1987
3-विश्व जल दिवस -22मार्च
2-समुद्री जल -70%
1-अलवणीय जल-3%

अभ्यास कार्य

1-पहाड़ी स्थानो पर छोटे नालों को_____कहते हैं।
2-छोटी जलधाराओं पर _____ का निर्माण किया जाता है।
3-पुनर्भरण भरण पिट तथा खाई से_____से प्राप्त वर्षा जल का संचयन होता है__________
__________अपने परिवेश में पाये जाने वाले भू-जल और धरातलीय स्रोतों की सूची बनाओ

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम शीला सिंह (गाजीपुर), शबनम तौकीर(लखनऊ)

क्रमांक-6

शब्द-विचार(Morphology)

शब्द-
अपने विचारों को प्रकट करने के लिए हमें किसी न किसी माध्यम की आवश्यकता पड़ती है। अपने विचारों को प्रकट करने के लिए हम बोलते हैं तथा बोलने के लिए शब्दों की आवश्यकता पडती है। शब्द छोटा हो या बड़ा, एक वर्ण का हो या अधिक, उसका अपना अर्थ होता वर्ण या वर्णों के ऐसे समूह, जिनका कोई अर्थ होता है, को शब्द कहते हैं।

शब्दों की विशेषताएँ-
👉 शब्द वर्णों के योग से बनते हैं।
👉 शब्द से किसी अर्थ की अभिव्यक्ति होती है।
👉 शब्द वाक्य में प्रयुक्त होकर विचारों को प्रकट करते हैं।
👉 शब्द वाक्यों में एक निश्चित स्थान रखते हैं और इसी के अनुसार इन्हें संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण आदि शब्द भेदों में बाँटा जा सकता है।

शब्द और पद में अंतर-
जब शब्द का प्रयोग वाक्य में व्याकरण के नियमों में बँधकर होता है तो वह पद कहलाता है। वाक्य से अलग अकेला ही वह शब्द कहलाता है। 'लड़का, सुंदर, गुलाब' शब्द हैं, पद नहीं। किन्तु 'लड़का एक सुंदर गुलाब लिए है' में प्रत्येक शब्द पद कहलाएगा।

शब्दों के भेद-
हिंदी के शब्दों को चार आधारों पर अलग-अलग वर्गों में बाँटा गया है-
1. अर्थ के आधार पर
3. उत्पत्ति के आधार पर
2. रचना के आधार पर
4. प्रयोग के आधार पर

1. अर्थ के आधार पर शब्द-भेद-अर्थ के आधार पर शब्दों को दो वर्गों में बाँटा गया है-
(क) सार्थक शब्द
(ख) निरर्थक शब्द

याद रखें-
👉 वर्ग या वर्णों का समूह, जिसका कोई अर्थ होता है, को'शब्द' कहते हैं।
👉 शब्द के भेद चार आधारों पर किए गए हैं-अर्थ के, रचना के, उत्पत्ति के व प्रयोग के आधार पर

गृहकार्य-
1-शब्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखें-
2-शब्द की विशेषताएँ बताइए-

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- Praveena dixit